राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 20 जुन 2022 वर्ष–5,अंक–145 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

युवाओं को भड़काने वाला पूर्व फौजी गिरफ्तार, ग्वालियर में अब बिना इजाजत नहीं खुलेगा कोई फिजिकल क्लब

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में तीन दिन पहले अग्निपथ योजना के विरोध में हुए उपद्रव के मामले में पुलिस ने एक पूर्व फौजी को गिरफ्तार किया गया है। यह पूर्व फौजी मनोज फिजिकल ट्रेनर है। जानकारी के मुताबिक, मनोज ने अग्निपथ योजना को लेकर सेना की तैयारी कर रहे युवाओं को भड़काया और उसके बाद उन्हें गोले का मंदिर पर एकजुट होने के लिए कहा। सीसीटीवी में उपद्रव के दौरान पूर्व फौजी मनोज के होने के सबूत मिले हैं। इसी आधार पर एफआईआर दर्ज की गई और शनिवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। बता दें कि बीते गुरुवार को ग्वालियर में अग्निपथ योजना को लेकर हजारों की संख्या में युवाओं ने गोला का मंदिर पर विरोध प्रदर्शन किया और उसके बाद रेलवे स्टेशन पर जाकर तोड़फोड़ और आगजनी की। बताया जा रहा है जिले में संचालित होने वाले व्हाट्सएप ग्रुप पर युवाओं को गलत जानकारी दी गई और एक जगह इकट्ठा होने के लिए कहा गया।

बिना अनुमति संचालित नहीं होंगे फिजिकल क्लब

अब इस मामले में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह आदेश जारी कर दिए हैं कि जिले के सभी फिजिकल क्लब बिना अनुमति के संचालित नहीं हो सकेंगे। ऐसे क्लबों को क्षेत्रीय एसडीएम कार्यालय से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने कहा है कि फिजिकल क्लबों के संचालन और ट्रेनिंग देने वाले छात्रों की गतिविधियों में सम्मिलित होने की सूचना प्राप्त हो रही थी, ऐसी स्थिति में सभी फिजिकल क्लबों को संबंधित एसडीएम से अनुमति लेने के साथ ही थाना प्रभारियों को सभी जानकारी देने के लिए कहा गया है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने अपने आदेश में कहा है कि 3 दिन के अंदर सभी फिजिकल की तैयारी करने वाले क्लब को आवेदन प्रस्तुत करना होगा

24 जून से शुरू हो रही चयन प्रक्रिया को लेकर वायुसेना ने जारी किया डिटेल

अग्निपथ योजना सशस्त्र बलों में चार साल की अल्पकालिक सेवा मुहैया कराती है, जबकि रंगरूटों में से 25 प्रतिशत को करीब 15 वर्षों की नियमित सेवा के लिए सैन्य बलों में बरकरार रखने का फैसला हुआ है।

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना ने 'अग्निपथ' भर्ती योजना को लेकर रविवार को डिटेल जारी किया। इसके तहत वायुसेना की ओर से चयन प्रक्रिया 24 जून से शुरू हो रही है। वायुसेना प्रमुख वी आर चौधरी ने कहा कि 2022 के लिए अग्निपथ योजना के तहत (सशस्त्र बल में) भर्ती किए जाने वालों की उम्र सीमा बढ़ा कर 23 वर्ष कर दी गई है, जिससे सशस्त्र बल में भर्ती के नए 'मॉडल' के तहत युवाओं के बड़े हिस्से को शामिल किया जा सकेगा।

अग्निपथ योजना सशस्त्र बलों में चार साल की अल्पकालिक सेवा मुहैया कराती है, जबकि रंगरूटों में से 25 प्रतिशत को करीब 15 वर्षों की नियमित सेवा के लिए सैन्य बलों में बरकरार रखा जाएगा। एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा, ÷सरकार सशस्त्र बलों में भर्ती के लिए हाल में अग्निपथ योजना लाई है। योजना के लिए न्यूनतम उम्र साढ़े 17 वर्ष और अधिकतम उम्र

सीमा 21 साल है। मैं यह सूचित करते हुए खुश हूं कि पहली भर्ती के लिए ऊपरी उम्र सीमा बढ़ा कर 23 साल कर दी गई है।÷

IAF अग्निवीरों की भर्ती को लेकर अहम जानकारियां-

1. भारतीय वायुसेना के अग्निवीर सर्विस के दौरान अपनी यूनिफॉर्म पर एक विशेष प्रतीक चिन्ह पहनेंगे।

2. अग्निवीर सम्मान और पुरस्कार के हकदार होंगे।

3. भारतीय वायुसेना अग्निवीरों का केंद्रीकृत उच्च गुणवत्ता वाला ऑनलाइन डेटाबेस बनाए रखेगी। इसमें अग्निवीरों की ओर से प्राप्त कौशलों को दर्ज किया जाएगा और उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

4. भारतीय वायुसेना के अग्निवीरों को प्रति वर्ष 30 छुट्टियां और चिकित्सकीय सलाह के आधार पर अन्य छुट्टियां मिलेंगी।

5. असाधारण मामलों को छोड़कर चार साल पूरे होने से पहले खुद की अपील पर अग्निवीरों को रिहा नहीं किया जाएगा।

6. इस योजना के तहत नामांकित व्यक्तियों को निश्चित वार्षिक वेतन वृद्धि के साथ 30,000 रुपए प्रति माह के अग्निवीर पैकेज का भुगतान किया जाएगा। इसके अलावा यूनिफॉर्म और यात्रा भत्तों का भुगतान होगा।

7. एक समर्पित अग्निवीर कॉर्पस फंड बनाया जाएगा, जो समाप्त नहीं होगा। प्रत्येक अग्निवीर आय का 30 प्रतिशत इस कोष में योगदान देगा। सरकार पब्लिक प्रोविडेंट फंड के बराबर ब्याज दर मुहैया कराएगी।

8. चार साल के बाद अग्निवीर सेवा निधि पैकेज प्राप्त करने के लिए हकदार होंगे, जो कि कॉर्पस फंड में उनके मासिक योगदान की राशि और ब्याज के साथ सरकार के योगदान को शामिल करेगा। यह आयकर से मुक्त होगा।

दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा

दिसंबर तक देश के करीब 25 शहरों में उपलब्ध होगी 5जी सेवा

मुंबई। दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस साल अगस्त-सितंबर में देश में 5जी सेवा शुरू हो जाएगी और साल के अंत तक 20-25 शहरों-कस्बों में यह सेवा उपलब्ध हो जाएगी। उन्होंने संकेत दिया कि इसकी कीमतें वैश्विक औसत की तुलना में कम होंगी। एक कार्यक्रम में वैष्णव ने कहा कि 4जी और 5जी सेवाओं के लिए देश में विकसित प्रौद्योगिकी पर जोर है। 5जी सेवाओं के मूल्य निर्धारण पर वैष्णव ने कहा कि आज भी भारत में डाटा दर दो डालर के आसपास है जबकि वैश्विक औसत 25 डालर हैं। इसी तरह 5जी सेवाओं के लिए भी वैश्विक औसत की तुलना में कम कीमत चुकानी पड़ेगी। केंद्रीय

मंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया भारत की प्रगति पर ध्यान दे रही है और देश में विकसित की जा रही स्वदेशी प्रौद्योगिकी में रुचि दिखाई है। अनचाही काल के मुद्दे पर वैष्णव ने कहा कि नए नियमों पर विचार चल रहा है। इसके तहत जब कोई काल करेगा तो मोबाइल स्क्रीन पर केवाइसी आधारित नाम (सिम खरीदते समय आवेदन में दिया गया नाम) दिखेगा।

इंटरनेट मीडिया की जवाबदेही के लिए कानून में होगा बदलाव-वैष्णव ने कहा कि इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म को अधिक जवाबदेह बनाने पर देश में स्पष्ट सहमति है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार इसके लिए आवश्यक कानूनी बदलाव करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि इंटरनेट मीडिया की वजह से परिवर्तनकारी बदलाव आए हैं। लेकिन जिम्मेदारी का भी अहसास होना चाहिए। हम इंटरनेट मीडिया को और अधिक जवाबदेह बनाने के लिए सभी कदम उठाएंगे।

पैगंबर के अपमान का जवाब था काबुल में गुरुद्वारे पर हमला, हिंदू और सिख बने निशाना

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल स्थित गुरुद्वारे पर हुए हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली है। अब खबर है कि पैगंबर मोहम्मद को लेकर की गई टिप्पणी के जवाब में इस हमले को अंजाम दिया गया था। इस हमले में 2 लोगों की मौत हो गई थी। खास बात है कि हाल ही में भारतीय जनता पार्टी की पूर्व प्रवक्ता ने पैगंबर को टीवी डिबेट के दौरान बयान दिया था। इसके बाद ही बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। आतंकी संगठन के एक स्थानीय सहयोगी ने अपने टेलीग्राम चैनल पर लिखा कि हमला पैगंबर मोहम्मद के अपमान पर प्रतिक्रिया थी। इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रोविंस की ने कहा कि उनके एक लड़ाके ने %काबुल में हिंदू और सिख मंदिर में प्रवेश किया, उसके गार्ड को मारने के बाद अंदर मौजूद मूर्ति पूजा करने वालों पर मशीन गन और हैंड ग्रेनेड्स का इस्तेमाल किया।%

खास बात है कि इससे कुछ दिन पहले ही ढ्यक्क ने एक वीडियो जारी किया था, जिसमें हिंदुओं और सिखों पर हमले की

चेतावनी दी गई थी। आतंकी संगठन की तरफ से जारी वीडियो में भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा का जिक्र किया गया था। साथ ही इसमें मार्च 2020 में गुरुद्वारे पर हुए हमले की बात भी शामिल थी। आतंकी संगठन ने इस तरह के और हमले करने की चेतावनी दी थी। अफगानिस्तान में सिख अल्पसंख्यक हैं। खबर है कि सरकार ने ताजा घटना के बाद 100 सिख और हिंदुओं को ई-वीजा दिया है।

ढेर हुए हमलावर-भाषा के अनुसार, शनिवार को एक गुरुद्वारे में कई विस्फोट हुए, जिनमें एक सिख सहित दो लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। वहीं, अफगान सुरक्षाकर्मियों ने विस्फोटक लदे एक वाहन को गुरुद्वारे में प्रवेश करने से रोककर एक बड़ी घटना को टाल दिया। पझवोक समाचार एजेंसी ने बताया कि तालिबान सुरक्षा बलों ने तीन हमलावरों को मार गिराया। तालिबान द्वारा नियुक्त गृह मामलों के प्रवक्ता अब्दुल नफी ताकोर ने कहा कि अफगानिस्तान में सिख समुदाय के पूजा स्थल पर नवीनतम लक्षित हमले में, शनिवार सुबह काबुल के बाग ए बाला क्षेत्र में कार्ते परवान गुरुद्वारे पर हमला हुआ और आतंकवादियों तथा तालिबान लड़ाकों के बीच कई घंटे तक मुठभेड़ चली।

विवाद पर जयशंकर बोले- जो कहा गया वो भाजपा का स्टैंड नहीं

नई दिल्ली। पैगंबर मोहम्मद पर चल रहा विवाद अभी भी जारी है। हाल ही में अमेरिका ने भाजपा के पूर्व नेताओं के बयान की निंदा की हालांकि उसकी तरफ से भाजपा की कार्रवाई पर खुशी जताई गई। इसी कड़ी में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि लोगों की संवेदनशीलता और समझ प्रभावित हुई, लेकिन उन देशों ने इस बात की तारीफ भी की कि भारत सरकार का इस विवादित टिप्पणी से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि वह भाजपा की स्थिति नहीं थी। दरअसल, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को जोर देकर कहा कि जो कहा गया था वह भाजपा की स्थिति नहीं थी और पार्टी ने इसे बहुत मजबूत शब्दों में स्पष्ट कर दिया था और कार्रवाई भी की थी। उन्होंने कहा कि ना केवल खाड़ी के देश, बल्कि चिंता व्यक्त करने वाले दक्षिण-पूर्व एशिया के भी कुछ देशों ने इस बात की सराहना की कि यह भारत सरकार की स्थिति नहीं थी। जयशंकर ने कहा कि एक बार पार्टी ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी तो उन्हें उम्मीद है कि लोग इसे समझेंगे। विदेश मंत्री ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि ऐसे लोग होंगे जो बहती गंगा में हाथ धोना चाहेंगे। अंतरराष्ट्रीय संबंध बहुत ही प्रतिस्पर्धी खेल है, जो क्रीसबेरी नियमों द्वारा नहीं खेला जाता है। ऐसे लोग होंगे जो इससे अपना फायदा ढूंढने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे मामले में अपनी बात रखने की जरूरत है और हम ऐसा कर रहे हैं। यहां तक कि पिछले कुछ दिनों में आप देख सकते हैं कि लोग समझते हैं कि भारत में सही तस्वीर क्या है। यह पूछे जाने पर कि भारत को उन देशों द्वारा क्यों उपदेश दिया जाना चाहिए जो लोकतांत्रिक दृष्टि से इस मामले में कहीं नहीं टिकते, मंत्री ने कहा कि वह पूरे मुद्दे को उस तरह से नहीं देखते हैं। वहीं इस मामले पर हाल ही में अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि हम भाजपा के दो आधिकारियों की तरफ से की गई आपत्तिजनक टिप्पणी की निंदा करते हैं और हम यह देखकर खुश हैं कि पार्टी ने सार्वजनिक तौर पर उन बयानों की निंदा की।

स्याही फेंकने का मामला

रवि राणा के खिलाफ वारंट जारी, घर पहुंची पुलिस; एमएलए ने कहा- गिरफ्तार करने आए थे

मुंबई। अमरावती पुलिस मुंबई के खार में विधायक रवि राणा के घर पहुंची और बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ की ओर से जारी जमानती वारंट उन तक पहुंचाया। इस सप्ताह वारंट जारी किया गया था, क्योंकि बंबई उच्च न्यायालय की ओर से जारी नोटिस का उन्होंने जवाब नहीं दिया था। वारंट में राणा को सोमवार को अदालत में पेश होने को कहा गया है। हालांकि, अमरावती पुलिस वारंट की तामील नहीं कर सकी, क्योंकि वे राणा को उसके आवास पर नहीं ढूंढ पाए। पुलिस टीम के दौरे के तुरंत बाद, राणा ने एक वीडियो जारी किया जिसमें उन्होंने कहा कि अमरावती पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने के लिए मुंबई में थी। राणा ने कहा, मैं घर पर मौजूद नहीं था, इसलिए वे मुझे गिरफ्तार नहीं कर सके। महाविकास अघाड़ी सरकार की ओर से यह सुनिश्चित करने के लिए एक साजिश है कि मैं भाजपा को वोट नहीं दे सकूं।

राणा को सोमवार को अदालत में पेश होने का आदेश-अमरावती पुलिस के अनुसार, तीन महिलाओं की ओर से अमरावती नगर आयुक्त प्रवीण अष्टिकर पर स्याही फेंकने के बाद राणा पर धारा 307 (हत्या का प्रयास) और 353 (एक लोक सेवक को उसके कर्तव्य के निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल का उपयोग) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अमरावती पुलिस के एक सीनियर अधिकारी ने कहा, ÷यह एक जमानती वारंट है, जिसमें उन्हें सोमवार को अदालत में पेश होने को कहा गया है। वारंट आपराधिक मामले में जारी किया गया था, जिसमें अमरावती नगर आयुक्त पर स्याही फेंकी गई थी।÷

फर्जी नियुक्ति पत्र लेकर स्क्रदफ्तर पहुंचा शख्स, पुलिस के हत्थे चढ़ा गिरोह-विधान परिषद की 10 सीटों के लिए सोमवार को चुनाव

महाराष्ट्र विधान परिषद की 10 सीटों के लिए सोमवार को चुनाव होना है। महाविकास अघाड़ी गठबंधन का भाजपा से कड़ा चुनावी मुकाबला है। निर्दलीय विधायक राणा भाजपा के जाने माने समर्थक हैं। सात जुलाई को 9 विधान पार्षदों का कार्यकाल समाप्त होने वाला है जबकि 10वीं सीट पर इस साल की शुरुआत में भाजपा पार्षद के निधन के कारण चुनाव कराया जा रहा है। इन सीटों के लिए 20 जून को मतदान होना है।

'उनके आरोप सही नहीं हैं' सीजेआई के कमेंट पर बोले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना की उस टिप्पणी पर लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने असहमित जताई है जिसमें सीजेआई ने संसद की कार्यवाही पर चिंता जताई थी। सीजेआई ने संसद की कार्यवाही में होने वाले हंगामों का जिक्र करते इस बात पर खेद जताया था कि कानून पास करते वक्त उचित बहस नहीं होती। इसी पर अब प्रतिक्रिया देते हुए ओम बिड़ला ने कहा कि यह आरोप सही नहीं है। हर अहम बिल पर व्यापक चर्चा कराई जाती रही है।

चीफ जस्टिस ने संसद में बहस की कमी पर चिंता जताई थी

दरअसल, सीजेआई की यह टिप्पणी तब सामने आई थी जब पिछले स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने ध्वजारोहण समारोह कार्यक्रम में शिरकत की थी। उस समय चीफ जस्टिस ने कहा था कि बहस ना होने की वजह से कई ऐसे कानून भी पास हुए जिनमें कुछ कमियां थीं। उस समय उन्होंने यह भी कहा था कि कानून पास करते वक्त संसद में उचित बहस की कमी दिखती है। कानूनों पर बहस ना होने की वजह से भी कोर्ट तक आने वाले मामले बढ़ते हैं।

बिड़ला बोले- सब कुछ रिकॉर्ड, दस्तावेज झूठे नहीं

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए अपने एक साक्षात्कार में इस पर जवाब दिया जिसे रिपोर्ट में बकायदा विस्तृत छापा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ओम बिड़ला ने चीफ जस्टिस के आरोप को सिरे से खारिज कर दिया। बिड़ला ने कहा कि सब कुछ रिकॉर्ड पर है और दस्तावेज कभी झूठ नहीं बोलते। उनके तीन साल के कार्यकाल में संसद की कार्य प्रणाली में सुधार आया है और डिबेट लगातार हो रही हैं।

17वीं लोकसभा के दौरान माहौल बदला

उन्होंने यह भी कहा कि उनके तीन साल के कार्यकाल में लोकसभा में बहस के लिए तय समय से ज्यादा अलाट किया गया है। पहले जहां चार सवाल ही लिए जाते थे, अब यह संख्या 6 हो चुकी है। बीते तीन सालों के दौरान जीरो ऑवर में 4648 मामले उठाए गए। रूल 377 के तहत 92-93 फीसदी मामलों पर जवाब मिला। बजट या धन्यवाद प्रस्ताव पर भी पहले की अपेक्षा ज्यादा सांसदों ने भागीदारी की। 17वीं लोकसभा के दौरान माहौल काफी बदला है।

विपक्ष भी लगाता रहा है आरोप

ओम बिड़ला ने यह भी कहा कि संसद कभी कार्यपालिका के काम में दखल नहीं देती लेकिन अगर उनकी तरफ से संसद के कामों में दखल दिया जाता है तो वो सुनिश्चित करते हैं कि ऐसा न हो। उधर रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि पिछले कुछ समय से विपक्ष भी संसद में बहस ना कराने का आरोप लगाता रहा है। विपक्षी नेताओं का आरोप है कि सरकार का रवैया तानाशाही भरा रहा है। महत्वपूर्ण बिलों को बगैर चर्चा के पास करा दिया जाता है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एनवी रमना 75वें स्वतंत्रता दिवस पर एक कार्यक्रम में संसद में बिना बहस पास होने वाले बिलों पर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने सांसदों के डिबेट से बचने के रवैए पर नाखुशी जताई। उन्होंने पुराने समय से तुलना करते हुए कहा कि पहले संसद के दोनों सदन वकीलों से भरे होते थे। उनका कहना था कि आज के दौर में स्थितियां अलग हैं। यह नीतियों और उपलब्धियों की समीक्षा करने का समय है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

जीवन में कोई चीज़ इतनी हानिकारक और ख़तरनाक नहीं जितना डाँवाँडोल स्थिति में रहना। - सुभाष चंद्र बोस

संपादकीय

आतंकवाद को चीन की शै

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

इधर ब्रिक्स का शिखर सम्मेलन होनेवाला है, जिसमें चीन और भारत के नेता आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त रणनीति बनाएंगे और उधर चीन ने पाकिस्तान के आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की को बड़ी राहत दिला दी है। अमेरिका और भारत ने मिलकर मक्की का नाम आतंकवादियों की विश्व सूची में डलवाने का प्रस्ताव किया था लेकिन चीन ने सुरक्षा परिषद के सदस्य होने के नाते अपना अड़ंगा लगा दिया। अब यह काम अगले छह माह तक के लिए टल गया है। यदि चीन अड़ंगा नहीं लगाता तो मक्की पर भी वैसे ही अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लग जाते, जैसे कि जैश-ए-मुहम्मद के मुखिया मसूद अजहर पर लगे हैं। उसके मामले में भी चीन ने अड़ंगा लगाने की कोशिश की थी। समझ में नहीं आता कि एक तरफ तो चीन आतंकवाद को जड़मूल से उखाड़ने की घोषणा करता रहता है लेकिन दूसरी तरफ वह आतंकवादियों की पीठ ठोकता रहता है। जिन आतंकवादियों के खिलाफ पाकिस्तान सरकार ने काफी सख्त कदम उठाए हैं, उनकी हिमायत चीन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर क्यों करना चाहता है? क्या इसे वह पाकिस्तान के साथ अपनी 'इस्पाती दोस्ती' का प्रमाण मानता है? खुद पाकिस्तान की सरकारें इन आतंकवादियों से तंग आ चुकी हैं। इन्होंने पाकिस्तान के आम नागरिकों की जिंदगी तबाह कर रखी है। ये डंडे के जोर पर पैसे उगाते हैं। ये कानून कायदों की परवाह नहीं करते हैं। पाकिस्तान की सरकारें इन्हें सींखचों के पीछे भी डाल देती हैं लेकिन फिर भी चीन इनकी तरफदारी क्यों करता है? इससे चीन को क्या फायदा है? चीन को बस यही फायदा है कि ये आतंकवादी भारत को नुकसान पहुंचाते हैं। याने भारत का नुकसान ही चीन का फायदा है। चीन का यह सोच किसी दिन उसके लिए बहुत घातक सिद्ध हो सकता है। उसे इस बात का शायद अंदाज नहीं है कि ये आतंकवादी किसी के सगे नहीं होते। ये कभी भी चीन के उइगर मुसलमानों की पीठ ठोककर चीन की छाती पर सवार हो सकते हैं। यदि चीन पाकिस्तान के आतंकवादियों की तरफदारी इसलिए करता है कि वे भारत में आतंकवाद फैलाते हैं तो उसे यह पता होना चाहिए कि इन आतंकवादियों के चलते पाकिस्तान की छवि सारी दुनिया में चौपट हो गई है। पाकिस्तान के सभ्य और सज्जन नागरिकों को भी सारी दुनिया में संदेह की नजर से देखा जाने लगा है। पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय 'द फिनांशियल एक्शन टास्क फोर्स' ने जो प्रतिबंध लगाए थे, उन्हें हटाने की जो शर्तें थीं, वे पाकिस्तान ने लगभग पूरी कर ली हैं लेकिन फिर भी टास्क फोर्स को उस पर विश्वास नहीं है। पाकिस्तान को हरी झंडी तब तक नहीं मिलेगी, जब तक कि टास्क फोर्स के पर्यवेक्षक खुद पाकिस्तान आकर सच्चाई को परख नहीं लेंगे। पाकिस्तान को चाहिए कि वह यदि इन आतंकवादियों को खुद काबू नहीं कर सके तो उन्हें वह अंतरराष्ट्रीय दंडालयों के हवाले कर दे।

आज के कार्टून

उत्तम कार्य

श्रीराम शर्मा आचार्य/

श्रेष्ठ कार्य वह है, जो श्रेष्ठ उद्देश्य के लिए किया जाता है। उत्तम कार्यों की कार्य प्रणाली भी प्रायः उत्तम ही होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी है, तो प्रायः उसके लिए मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा ही उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसके विपरीत स्थिति सामने आती है कि सदुद्देश्य होते हुए भी, भावनाएं उच्च, श्रेष्ठ, सात्विक होते हुए भी क्रिया-प्रणाली ऐसी कठोर, तीक्ष्ण एवं कटु बनानी पड़ती है, जिससे लोगों को यह भ्रम हो जाता है कि कहीं यह सब दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। सीधे-सादे अवसरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। किसी भूखे, प्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्न-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। इसी प्रकार किसी दुःखी या अभावग्रस्त को अभीष्ट वस्तुएं देकर उसकी सेवा की जा सकती है। धर्मशाला, कुआं, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि के द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकताएं एवं उपयोगिता सर्वत्र स्वीकार की जा सकती है। परन्तु कई बार इस प्रकार की सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुराई मालूम पड़ती है और उसके करने वाले को अपयश ओढ़ना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाने का साहस हर किसी में नहीं होता। बिरले बहादुर ही इस प्रकार की दुस्साहसभरी सेवा करने को तैयार रहते हैं। दुष्ट और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर कि वे बड़ी ममता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, कोई साधारण काम नहीं है। सीधे आदमी सीधे तरीके से मान जाते हैं। उनकी भूल ज्ञान से, तर्क से, समझाने से सुधर जाती है, पर जिनकी मनोभूमि अज्ञानान्धकार से कलुषित हो रही है और साथ ही जिनके पास कुछ शक्ति भी है, वे ऐसे मदान्ध हो जाते हैं कि सीधी-सादी क्रिया-प्रणाली का उन पर प्रायः कुछ भी असर नहीं होता। मनुष्य शरीर धारण करने पर भी जिनमें पशुत्व की प्रबलता और प्रधानता है, ऐसे प्राणियों की कमी नहीं है। ऐसे प्राणी सज्जनता, साधुता और सात्विकता का कुछ भी मूल्यांकन नहीं करते। ज्ञान, तर्क, नम्रता, सज्जनता, सहनशीलता से उन्हें अनीति के दुःखदाई मार्ग पर से पीछे नहीं हटाया जा सकता। पशु समझाने से नहीं मानता।

बदली भारतीय अफगान नीति के निहितार्थ

एम.के. भद्रकुमार

दो जून को विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ राजनयिक जेपी सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल का काबुल पहुंचना इस बात का द्योतक है कि भारत सरकार तालिबान नीत अंतरिम सरकार के साथ राजनयिक रिश्ते बनाने की इच्छुक है। भारत ने तालिबान सरकार के साथ व्यापारिक संबंध कायम करने का संकेत दिया है। ऐसा करके भारत मुख्य क्षेत्रीय राष्ट्रों के पदचिन्हों पर चल रहा है। देखना यह है कि इस राह के खुलने को रूस किस तरह लेगा। मार्च महीने में जब तालिबान द्वारा रूस के लिए नियुक्त किए गए कार्यकारी राजनयिक अधिकारी जमाल नासिर गरवाल मास्को पहुंचे और इस आमद पर रूसी सरकार की सहमति की पुष्टि प्रवक्ता मारिया झाकारोवा ने की, तब इसे पूर्ण-रूपेण द्विपक्षीय रिश्ते कायम करने में एक कदम आगे बताया। हालांकि उन्होंने कहा कि फिलहाल तालिबान सरकार को विधिवत मान्यता देने की बात करना जल्दबाजी होगी। 29 अप्रैल को रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने सूचित किया कि अफगानी कार्यकारी राजनयिक अधिकारी ने मास्को में अपना काम करना शुरू कर दिया है। पिछले मंगलवार, रूसी समाचार एजेंसी 'तास' के मुताबिक गरवाल सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित हो रहे अतंर्राष्ट्रीय आर्थिक समूह (15-18 जून) में भाग लेंगे, 'रूस का दावोस' कहे जाने वाले इस गुट की मेजबानी आमतौर पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन करते रहे हैं, जैसा कि वर्ष 1997 से पहले भी किया करते थे, इसमें चर्चा का ध्यान मुख्यतः व्यापार, वैश्विक और रूसी अर्थव्यवस्था, सामाजिक विषय और तकनीकी विकास पर केंद्रित रहेगा। रूस ने तालिबानी अधिकारियों को अमेरिकी ढंग के अपवादपूर्ण चश्मे से देखने की बजाय उन अपनों की तरह लिया, जो नाराज होकर विरक्त हुए किंतु फिर लौट आए। पिछले बुधवार, रूसी विदेश मंत्रालय की वेबसाइट में 'अफगानिस्तान की वर्तमान स्थिति' शीर्षक से एक प्रेस विज्ञप्ति छपी, जिसमें कहा गया कि संयुक्त राष्ट्र में तालिबान मुहिम को बतौर एक संगठन आतंकवादी की तरह नहीं लिया जाता और प्रतिबंध कुछेक व्यक्तियों पर ही लागू होते हैं। इस रूसी लेख में अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि टॉम वेस्ट की हालिया यात्राओं का उल्लेख करते हुए, जिसमें उन्होंने नई दिल्ली और इस्ताम्बुल में कुछ अफगान शरणार्थियों से मुलाकात की थी, खुले तौर पर अमेरिका की आलोचना करते हुए कहा कि अफगानिस्तान को लेकर अमेरिकियों के पास ताजा विचार नहीं हैं और वे अभी भी उन लोगों पर निर्भर हैं जो खुद अफगानिस्तान में लोकतंत्र स्थापना के लिए 20 साल तक चले प्रयोगों की विफलता का नमूना हैं... वह जो सत्ता हस्तांतरण के समय, सबसे मुश्किल घड़ी में अपने लोगों को छोड़कर भाग खड़े हुए, नतीजतन देश में उनका प्रभाव जाता रहा। यह दो टूक ऐसे वक्त पर आई है जब पश्चिमी देश तालिबान को नाथने के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों की चूड़ियां और कसवाने का गुप्त अभियान चलाए हुए हैं- इसके लिए मानवाधिकार निगरानी संगठन को ढाल बनाया जा रहा है। जब उन्होंने पाया कि तालिबान सरकार अफगानिस्तान के अंदर और मध्य एशिया में पश्चिमी जगत के भू-राजनीतिक हितों की खातिर 'धाय मां' बनने को तैयार नहीं है, तो उनके खेल की रणनीति अब बदलकर तालिबान को घेरने और सजा देने की ओर है। नई बनी शीत युद्ध की स्थिति ने इसमें तात्कालिकता का अवयव और जोड़ दिया है, जैसा कि देखा गया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तालिबान पर प्रतिबंध लगाने के लिए रखी गई बैठक से पहले जर्मन विदेश मंत्री एन्नालिना बेयरबॉक पाकिस्तान की अप्रत्याशित यात्रा पर पहुंचीं। बेयरबॉक ने कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान सरकार आने के बाद से नागरिकों और मुल्क की मुसीबतों और भूख की स्थिति में अविश्वसनीय बढ़ोतरी हुई है और देश गलत दिशा में जा रहा है, जिसका असर अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी पर भी होकर रहेगा। बेयरबॉक की इस कवायद का उद्देश्य दरअसल तालिबान के खिलाफ समन्वित और जबरदस्त प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव में पाकिस्तान की प्रतिक्रिया की टोह लेना था, जो इस अनुमान पर आधारित है कि रावलपिंडी स्थित पाक-सेना मुख्यालय तालिबान के विरुद्ध कुछ ऐसा दंडात्मक औजार तलाश कर रहा है, जो इससे पहले कभी बरता गया हो। पश्चिमी जगत इस ताक में है कि कब पाकिस्तानी सेना अपनी नीतियां फिर से निर्धारित करे और उसे मौका मिले। 'अमेरिकी शांति संस्थान' ने पिछले दिनों इस बात को लेकर माथापच्ची की है कि अमेरिकी नीतियों की महत्वपूर्ण तरजीहों की खातिर पाकिस्तान और अमेरिका संयुक्त रूप से जोर डालकर तालिबान को राह पर ला सकते हैं और इस बाबत यदि पाकिस्तान सार्वजनिक रूप से यह संकेत दे डाले कि फिलहाल तालिबान की मान्यता पर विचार टल गया है, तो इससे मदद मिल सकती है... हो सके तो पाकिस्तान तालिबान सरकार से बरतने में राजनयिक रुतबा घटाकर इसको अमेरिकी सरकार के आतंकरोधी विषय सूची के अनुरूप बना दे। यही वह बिंदु है जिस पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने हाल ही में दुशाम्बे में हुई 'क्षेत्रीय वार्ता समूह' में भारतीय विचार को अधिमान देते हुए संबोधन दिया था। उन्होंने वास्तविक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में, भारतीय नीतियों की रूपरेखा पुनः निर्धारित करते वक्त अफगानिस्तान की आतंकरोधी एवं आतंकी गुटों से निपटने की क्षमता का आकलन ध्यान में रखने की बात कही है, वहीं ठीक इसी वक्त यह आस भी कायम रखी है कि क्षेत्रीय वार्ता समूह के सदस्यों के संयुक्त प्रयासों से अफगानिस्तान को एक समृद्ध और जीवंत राष्ट्र में बदला जा सकता है। अफगानिस्तान को फिर से अस्थिर नहीं होने देना चाहिए और ध्यान मुख्यतः मानवीय और अन्य मदद देने के इंतजामों पर केंद्रित रखा जाए। यह नया विचार पंजशीर घाटी की वास्तविक स्थितियों के आलोक में किन्हीं बाहरी तत्वों द्वारा नागरिक युद्ध भड़काने के कपटपूर्ण प्रयासों की संभावना निरस्त करता है। डोभाल ने राष्ट्र निर्माण में अफगान समाज के तमाम वर्गों का प्रतिनिधित्व बनाने पर जोर दिया है ताकि जनसंख्या का ज्यादा से ज्यादा हिस्सा अपना योगदान देने को प्रेरित हो सके। फिर भी, डोभाल ने इस काम में किसी पूर्व निर्धारित इबारत बनाने से इंकार किया और इस तरह अफगान संस्कृति की सच्चाई और माफ कर देने के जन्मजात गुणों में भारत का भरोसा जताया है। तालिबान 'लोया-जिरगा' नामक महा-पंचायत बुलाने की सोच रहा है। पूर्व अफगान सरकार के अधिकारी जो कि सत्ता परिवर्तन के वक्त काबुल से भाग गए थे, जिनमें एकदम हालिया दिनों में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद से पलायन करने वाले पूर्व अधिकारियों के अलावा एक जनरल भी शामिल है, जो पिछली सरकार में रक्षा मंत्रालय का प्रवक्ता और उप-मंत्री था, तालिबान अब उन सबकी वापसी का स्वागत कर रहा है। पूर्व शिक्षा मंत्री फारूक वरदाक हामिद करज़ाई और अशरफ गनी सरकार में रह चुके हैं, उच्चतम स्तर के वह अधिकारी हैं, जिनकी वापसी का गर्मजोशी से इस्तकबाल किया गया है। तालिबान का चित्रण केवल एक चरमपंथी की तरह करना हकीकत से परे है। उनकी मुहिम को स्थानीय लोगों में कहीं ज्यादा लोकप्रियता मिली है, जबकि पश्चिमी दुष्प्रचार ने उनकी छवि बदलाखोर प्रतिगामी हुकूमत वाली बना रखी है। तालिबान धरती-पुत्र हैं और किसी के बहकावे में आने वाले नहीं हैं। यही वजह है कि डोभाल के संबोधन में व्यक्त संवेदना और सहानुभूति ताजी हवा के झोंके की तरह है।

लेखक पूर्व राजनयिक हैं।

नेताओं पर नकैल : अब आयोग के माध्यम से 'चुनाव सुधार' की पहल....?

(लेखक- ओमप्रकाश मेहता)

अब आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में भारतीय चुनाव आयोग अब तक चली आ रही चुनाव प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर कुछ अहम् अधिकारों की मांग कर रहा है। हाल ही में चुनाव आयोग ने केन्द्रीय कानून मंत्रालय को आधा दर्जन सुझाव भेजे है, ये सुझाव मौजूदा चुनाव प्रक्रिया में सुधार को लेकर है।

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने केन्द्रीय कानून मंत्रालय को चुनाव सुधार के छः अहम् सुझाव भेजे है, इन सुझावों में अब एक उम्मीदवार एक ही सीट से प्रत्याशी, ओपीनियन एग्जिट पोल पर नियंत्रण, मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ने के साथ आयोग ने राजनीतिक दलों के पंजीकरण रद्द करने का अधिकार भी मांगा है। आयोग ने अपने हर सुझाव के बारे में कुछ तथ्य व दलीलें भी पेश की है, यह सुझाव कानून मंत्रालय के विचाराधीन है। अब यह तो तय है कि देश के मौजूदा राजनीतिक परिदृष्य में चुनाव आयोग को बिना ''ऊपर'' से इशारा मिले राजनीति से जुड़े ऐसे प्रस्ताव भेजने की आयोग की हिम्मत तो हो नहीं सकती, अतः यही कहा जा सकता है स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही मौजूदा चुनावी प्रक्रिया में सुधार चाहते है और वे यह कार्य संवैधानिक मर्यादा में रहकर चुनाव आयोग के माध्यम से पूरे करना चाहते है, शायद उनकी इसी भावना को मूर्तरूप देने के लिए चुनाव आयोग ने अपनी तरफ से ये सुझाव केन्द्र सरकार के कानून मंत्रालय को भेजे है और कोई आश्चर्य नहीं होगा कि केन्द्र सरकार इन प्रस्तावों पर अपनी मंजूरी की मोहर लगाकर तथा कानूनी प्रक्रिया पूरी कर अगले चुनावों के पहले इन्हें लागू भी कर दे? यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा-33 (सात) में संशोधन का अनुरोध किया है ताकि एक उम्मीदवार कितनी सीटों से चुनाव लड़ सकता है, उसकी संख्या को सीमित किया जा सके। आज देश में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 लागू है जो किसी भी व्यक्ति को दो निवार्चिन क्षेत्रों से मुख्य या उपचुनाव में उम्मीदवारी की अनुमति देता है, उल्लेखनीय है चुनाव आयोग ने वर्ष 2004 में भी जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 33(7) में संशोधन का प्रस्ताव रखा था, जो आज अठारह साल बाद भी केन्द्रीय कानून मंत्रालय के विचाराधीन है, अब पुनः नए सिरे से भारतीय चुनाव आयोग ने केन्द्र सरकार से ईशारा पाकर ये सुझाव फिर से केन्द्रीय कानून मंत्रालय को भेजे है और आयोग उम्मीद कर रहा है कि इन सुझावों को केन्द्र की मंजूरी और आवश्यक कानूनी खानापूर्ति के बाद यथाशीघ्र लागू कर दिया जा सकेगा। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग इन सुझावी कदमों के माध्यम से अपनी चुनावी प्रक्रिया सरल करना चाहता है, नेताओं के एकसाथ दो सीटों से चुनाव लड़ने का नियम वह उम्मीदवारों की भीड़ कम करने के लिए खत्म करना चाहता है। चुनाव आयोग के एक अन्य सुझाव वोटर कार्डको आधार कार्ड से लिंक करने के सुझाव के पीछे फर्जी मतदान रोकने की धारणा है, क्योंकि आज हर चुनाव में फर्जी मतदान की शिकायतें आम हो गई है। आयोग के सुझावों में एक अहम् सुझाव ओपीनियन व एग्जिट पोल पर प्रतिबंध लगाने का भी है, उसकी धारणा है कि इस प्रक्रिया के चलते चुनाव परिणामों की अधीकृत घोषणा के पूर्व राजनीतिक विद्वेष और आपसी मनमुटाव की स्थिति हर कहीं पैदा होती है, इसलिए इस प्रक्रिया पर भी अंकुश लगाया जाना चाहिये।

इन महत्वपूर्ण प्रस्तावों के साथ चुनाव आयोग ने एक सुझाव के माध्यम से केन्द्र से यह अधिकार मांगा है कि वह निष्क्रीय और उम्मीदवार खड़े नहीं करने वाले छुटभैया राजनीतिक दलों के पंजीकरण भी रद्द कर सके। ये छोटे और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की संख्या चुनावों के पूर्व कुकुरमुत्तों की तरह बढ़ जाती है और चुनाव के समय से समर्थन का नाटक खेल कर काफी धन जमा करने का प्रयास करते है और चुनाव आयोग पर रौब झाड़ने का प्रयास करते है, इसलिए चुनाव आयोग ने केन्द्रीय कानून मंत्रालय से ऐसे राजनीतिक दलों को पंजीकरण खत्म करने का अधिकार मांगा है, जिससे कि राजनीतिक क्षेत्र में शुद्धता लाई जा सके। इन प्रस्तावों के साथ ही चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को दो हजार रूपए से अधिक मिलने वाले दान की जांच का भी अधिकार मांगा है जिससे कि चुनावी दौर में पैसे का खेल खत्म हो सके और देश के करोड़-अरबपति इस दान की एवज में आयकर में छुट हासिल न कर पाऐ। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने नए मतदाताओं के पंजीकरण से जुड़े चार कट ऑफडेट के नियमों को भी जल्द अधिसूचित करने का प्रस्ताव भी केन्द्र को भेजा है, जो पिछले साल दिसम्बर में राज्यसभा से पारित भी हो चुका है।

अतः अब कुल मिलाकर यदि यह कहा जाए कि केन्द्र सरकार व चुनाव आयोग मौजूदा चुनाव प्रक्रिया के कथित दोषों को दूर करने की दिशा में सक्रिय हुए है, तो कतई गलत नहीं होगा।

सू-दोकू नवताल -2144

4	3			1		8	6	
5	6		3		9		7	
7					5			2
8				3	2		1	
	7	1				3	2	
	9		8	6				4
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

सू-दोकू -2143 का हल

3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2144

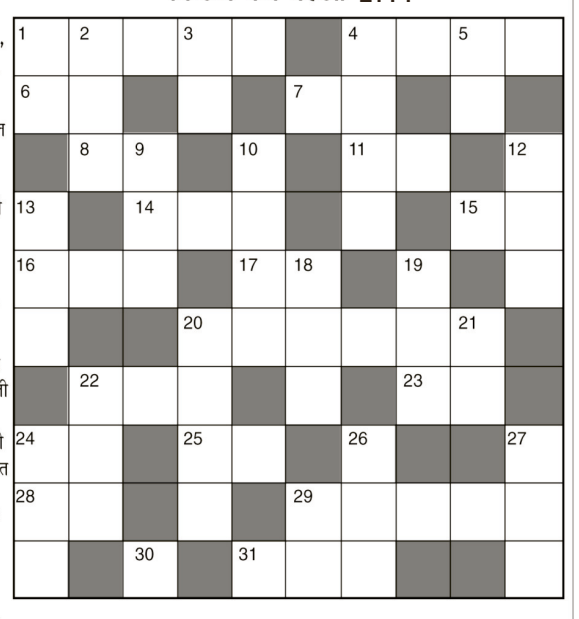

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, जया की 'ये जुल्फ कैसी है' गीत वाली फिल्म-2,1,2
4. 'सीमायें बुलाये तुझे' गीत वाली जे.पी.दत्ता की युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी एक मल्टीस्टारर फिल्म-2,1,1
6. फिल्म 'साया' में नायिका कौन थी-2
7. 'झमका चाँदी दा' गीत वाली मनोज, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-2
8. अभिषेक, अंतरा माली की 'बेरंग जिंदगी' गीत वाली फिल्म-2
11. फिल्म 'जीवनमृत्यु' में नायिका थी-2
14. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फराजखान, रानी मुखर्जी की फिल्म-3
15. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा' गीत वाली फिल्म-2
16. 'आज मदहोश हुआ जाये' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-3
17. संजय कपूर, रवीना, अदिति की 'हंसता है रूलता' गीत वाली फिल्म-2
20. 'सनन सनन साय साय हो' गीत वाली गोविंदा, रमैया की फिल्म-4,2
22. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-3
23. 'तू कल चला' गीत वाली संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम ढिल्लों की फिल्म-2
24. जैकी, सुनील शेट्टी, डिनो, करिश्मा की 'ऐ सुबह तू' गीत वाली फिल्म-2
25. 'हुस्ने जाना इधर आ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-2
28. देवआनंद, गीता बाली की 'चांदनी रातें प्यार की' गीत वाली फिल्म-2
29. 'जिनके पास हाथी घोड़ा' गीत वाली राजकुमार, लीना की फिल्म-2,1,2
30. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-1
31. 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मनीषा की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. 'नदिया किनारे आआ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता की फिल्म-2
2. ऋषिकपूर, माधुरी दीक्षित की 'जाने वो कैसा चोर था' गीत वाली फिल्म-3
3. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-2
4. अक्षय, करीना कपूर, प्रियंका की फिल्म-4
5. 'दिल दिया है तुझे' गीत वाली अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-2
9. राहुल बोस, करीना कपूर की 'जाने क्यूं हमको' गीत वाली फिल्म-3
10. राजकपूर, परवीन की 'आपसा कोई हसीन' गीत वाली फिल्म-2,2
12. 'तोता मैना की कहानी' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-3
13. मिलिंद सोमण, किरण झवेर की 'जीना है तेरी' गीत वाली फिल्म-3
18. 'सुलगे हुए हैं' गीत वाली जिमी, इरफान, ऋषिता, नम्रता की फिल्म-3
19. फिल्म 'अवतार' में राजेश की नायिका?-3
20. 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-4
21. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, मधु, सीमा की 'आई सी यू बेबी' गीत वाली फिल्म-2
22. 'रंग और नूर की बारात' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-3
24. नसीर, फारूख शेख, स्मिता की फिल्म-3
26. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-3
27. शाहरूख, माधुरी की 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-3
29. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2143

जु	दा	ई		उ	त्स	व		जं	ग
र्म		मा	सु	म		क्त		ग	
	आ	न		रा	नी		दि	ल	से
भा	ई		दे	व		शू	ल		व
	ना			जा	ल		ज	ब	क
भ		श	गु	न		द	ला	ल	
रो	टी		ह		दो	स्त		मा	या
सा		जो		आ		क	र्ज		रा
	स	र	फ	रो	श			ना	ना
ह	त्या			प		सं	ग	म	

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में रूस से कोयले का आयात 6 गुना बढ़ा!

- रूस से वस्तुओं की खरीद बंद कर देने से वैश्विक दामों में उथल-पुथल मचेगी, ग्राहकों को नुकसान होगा

नई दिल्ली। वैश्विक प्रतिबंधों के बावजूद भारत द्वारा रूस से आयात किए जाने वाले कोयले में तेज उछाल देखने को मिला है। रॉयटर्स ने रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। गौरतलब है कि रूस कोयले पर 30 फीसदी तक की छूट दे रहा है। कई देशों द्वारा प्रतिबंध लगाने के बावजूद भारत ने रूस से कोई व्यापार नहीं रोका है। भारत ने कहा है कि यूक्रेन में हिंसा खत्म होनी चाहिए लेकिन रूस से अचानक वस्तुओं की खरीद बंद कर देने से वैश्विक दामों में उथल-पुथल मचेगी और उसके ग्राहकों को इसका नुकसान होगा। अमेरिकी अधिकारियों ने भारत से कहा है कि रूस से ईंधन के आयात पर कोई रोक नहीं है लेकिन इसमें बहुत तेजी भी नहीं आनी चाहिए। वहीं यूरोपीय ट्रेडर्स ने रूस से व्यापार रोक दिया है जिसका फायदा सीधे भारतीय खरीदार उठा रहे हैं। वे ढुलाई लागत के बहुत अधिक होने के बावजूद बड़े स्तर पर कोयला रूस से खरीद रहे हैं। जानकारी के अनुसार भारत ने बीते बुधवार तक 20 दिन में 33.1 करोड़ डॉलर का कोयला व उससे संबंधित उत्पाद खरीदा है। यह पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 6 गुना अधिक है। भारतीय रिफाइनरीज ने रूस से सस्ता मिल रहा तेल भी जमकर खरीदा है! बुधवार तक 20 दिनों में रूस से 2.22 अरब डॉलर का कच्चा तेल खरीदा गया है जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 31 गुना अधिक है। गौरतलब है कि इन आंकड़ों पर सरकार का औपचारिक बयान नहीं आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार रूस से ईंधन खरीदारी में इस तेज वृद्धि के 2 बड़े कारण हैं। एक यह कि रूस आकर्षक दाम ऑफर कर रहा है और दूसरा यह कि वहां के कारोबारी रुपए व दिरहम में भी भुगतान स्वीकार कर रहे हैं। इसके चलते आगे भी रूस से कोयले की खरीद बढ़ने का अनुमान है। भारत में आर्थिक गतिविधियां इस बार लगभग पूरी तरह शुरू होने और गर्मियों में मांग बढ़ने से बिजली उत्पादन कंपनियों पर अधिक बिजली पैदा करने का दबाव पड़ा है। इसी मांग को पूरा करने के लिए कोयले का आयात बढ़ा दिया गया है।

एलआईसी का मार्केट कैप लिस्टिंग से एक महीने में ही 31 फीसदी घटा

- 1.86 लाख करोड़ रुपए का हुआ नुकसान

नई दिल्ली। एलआईसी के शेयर को लिस्ट हुए एक महीने हो गए। एक महीने में ही देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी का मार्केट कैप 31 फीसदी कम हो गया है। आईपीओ के इश्यू प्राइस के मुकाबले निवेशकों के 1.86 लाख करोड़ रुपए का नुकसाना हो गया है। एलआईसी के शेयर शुक्रवार को बीएसई पर 2.17 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। मौजूदा कीमत स्तर पर एलआईसी का मार्केट कैप 4,14,097.60 करोड़ रुपए है। एलआईसी वर्तमान में मार्केट कैप के मामले में बीएसई पर सातवीं सबसे मूल्यवान कंपनी है। लिस्टिंग के वक्त ये पांचवीं नबंर थी। एक महीने पहले 17 मई को एलआईसी के शेयर 8 फीसदी से अधिक के डिस्काउंट के साथ लिस्ट हुए थे। उस सप्ताह के बाद, एलआईसी के शेयरों ने भी 920 रुपए के सर्वको लिक उच्च स्तर को छुआ लेकिन फिर एलआईसी के शेयरों में गिरावट देखने को मिलने लगी और बाजार में मंदी के रुख के कारण भारी गिरावट दर्ज की। एलआईसी आईपीओ का इश्यू प्राइस 949 था, जिसका बाजार मूल्यांकन 6,00,242 करोड़ था। एक महीने बाद इसके आईपीओ इश्यू प्राइस की तुलना में, एलआईसी के शेयरों में 31 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है। 17 जून शुक्रवार को बाजार बंद होने पर इसका मार्केट कैप 1,86,142.4 करोड़ तक कम हो गया है। एलआईसी ने 4 मई से 9 मई तक 21,000 करोड़ रुपए का आईपीओ लॉन्च किया था। यह भारतीय आईपीओ बाजार के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ है। आईपीओ को सफलतापूर्वक 2.95 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। बाजार के` विशेषज्ञों के मुताबिक अगर आने वाले नतीजों में सुधार का संकेत मिलता है तो शेयर में नए सिरे से खरीदारी हो सकती है, इसके शेयर की कीमत बढ़ सकती है। एलआईसी का 1.1 गुना एम्बेडेड मूल्य पर जारी मूल्य उचित था। उस दृष्टिकोण से, वर्तमान बाजार मूल्य आकर्षक है। आईपीओ में आवंटन प्राप्त करने वाले दीर्घकालिक निवेशक अपनी औसत शेयर प्राइस को नीचे लाने के लिए वर्तमान दर पर कुछ और खरीद सकते हैं।

भारत और यूरोपीय संघ में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से कई सेक्टरों को होगा लाभ

- 27 जून से एक जुलाई तक नई दिल्ली में पहले चरण की वार्ता होगी

ब्रसेल्स। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के समझौते में अहम भूमिका के बाद भारत ने यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ ब्रूसेल्स में मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता फिर से शुरू कर दी है। वर्ष 2013 के बाद भारत और ईयू के बीच एफटीए को लेकर कोई वार्ता नहीं हुई है। भारत के वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व ईयू के कार्यकारी वाइस प्रेसिडेंट वाल्दिस डोमब्रोवस्किस ने बताया कि आगामी 27 जून से एक जुलाई तक नई दिल्ली में पहले चरण की वार्ता होगी। गौरतलब है` कि कि ईयू भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार सहभागी है। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत ने इससे पूर्व के वित्त वर्ष के मुकाबले 57 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ ईयू को 65 अरब डालर का निर्यात किया। ईयू के साथ एफटीए करने से भारत में अमेरिका व जापानी कंपनियां निवेश के लिए आ सकती है, क्योंकि ईयू के बाजार में भारत के शुल्क मुक्त सामान का निर्यात हो सकेगा। एफटीए वार्ता के साथ भारत व ईयू निवेश सुरक्षा वार्ता भी शुरू करने जा रहे है।

पीयूष गोयल ने बताया कि एफटीए से भारत के रोजगारपरक सेक्टर जैसे कि टेक्सटाइल, लेदर, जेम्स व ज्वैलरी का निर्यात ईयू में बढ़ेगा और भारत में रोजगार का सृजन होगा। अभी ईयू के बाजार में भारतीय गारमेंट को बांग्लादेश, वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है। टेक्नोलाजी और डिजिटल दुनिया से संबंधित व्यापार में होगा समझौता एफटीए होने से गारमेंट व लेदर निर्यात पर लगने वाला शुल्क समाप्त हो जाएगा, जिससे ईयू के बाजार में भारतीय वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी। इसके अलावा भारत टेक्नोलाजी, डिजिटल दुनिया से संबंधित चीजों के साथ एआई पर ईयू के साथ व्यापार समझौता कर सकता है। ब्रूसेल्स में मौजूद भारत के अधिकारियों ने बताया कि ईयू के साथ एफटीए होने से भारत की ब्रांडिंग का स्तर काफी बढ़ जाएगा और दुनिया के सभी देश पहले के मुकाबले भारतीय उत्पादों पर अधिक भरोसा करने लगेंगे।

भारत इस साल जुलाई के आखिरी सप्ताह में कनाडा के साथ भी एफटीए वार्ता आरंभ करने जा रहा है।

रत्न और आभूषण निर्यात मई में 20 प्रतिशत बढ़कर 25,365 करोड़ पहुंचा: जीजेईपीसी

- वर्ष 2021 की समान अवधि में 46,376.57 करोड़ रुपए था

मुंबई।

अमेरिका समेत महत्वपूर्ण बाजारों में मांग में तेजी के चलते रत्न एवं आभूषण निर्यात में मई 2022 में सालाना आधार पर तेजी दर्ज की गई है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में करीब 20 प्रतिशत बढ़कर 25,365.35 करोड़ रुपए पहुंच गया है। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने कहा कि मई 2021 में रत्न एवं आभूषण का कुल निर्यात 21,156.10 करोड़ रुपए था। 2022 के अप्रैल-मई में रत्न एवं आभूषण का कुल सकल निर्यात 10.08 फीसदी बढ़कर 51,050.53 करोड़ रुपए पहुंच गया जो 2021 की समान अवधि में 46,376.57 करोड़ रुपए था। जीजेईपीसी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी का कहना है` कि हम भारत को दुनिया का पसंदीदा रत्न एवं आभूषण विनिर्माता बनने की दिशा में बढ़ता देख रहे हैं। तराशे एवं पॉलिश किए गए हीरों का निर्यात भी मई में 10.04 फीसदी बढ़कर 16,156.03 करोड़ रुपए हो गया जो 2021 की समान अवधि में 14,681.42 करोड़ रुपए था। भारत सोने के बड़े आयातकों में से एक हैं लेकिन यहां से विदेशों में रत्न एवं आभूषण का बड़े स्तर पर निर्यात होता है। भारत स्वयं भी रत्न-आभूषण और सोने का बड़ा उपभोक्ता बाजार है। उल्लेखनीय है कि देश में सोने का आयात पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में 33.34 फीसदी बढ़कर 46.14 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2020-21 में भारत का सोने का आयात 34.62 अरब डॉलर रहा था।

विदेशी निवेशक बिकवाली पर आमादा, जून में अब तक शेयर बेच 31,430 करोड़ रुपयों की निकासी

नई दिल्ली।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक वृद्धि, ऊंची मुद्रास्फीति तथा शेयरों के ऊंचे मूल्यांकनके चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) बिकवाली पर आमादा हैं। इस महीने अब तक एफपीआई भारतीय शेयरों से 31,430 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, इस तरह चालू साल यानी 2022 में एफपीआई अब तक 1.98 लाख करोड़ रुपये के शेयर बेच चुके हैं। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा, आगे चलकर भी एफपीआई का रुख उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। भू-राजनीतिक तनाव, बढ़ती मुद्रास्फीति, केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक रुख को कड़ा किए जाने की वजह से एफपीआई उभरते बाजारों में बिकवाल बने हुए हैं।

आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने इस महीने 17 जून तक भारतीय शेयर बाजारों से शुद्ध रूप से 31,430 करोड़ रुपये की निकासी की है। अक्टूबर, 2021 से एफपीआई की बिकवाली का सिलसिला जारी है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, वैश्विक निवेशक दुनियाभर में मंदी के बढ़ते जोखिम को लेकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बढ़ती मुद्रास्फीति के बीच फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 0.75 प्रतिशत की वृद्धि की है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने आगे भी सख्त रुख अपनाने का संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि डॉलर के मजबूत होने और अमेरिका में बांड पर प्रतिफल बढ़ने की वजह से एफपीआई मुख्य रूप से बिकवाली कर रहे हैं। फेडरल रिजर्व, बैंक ऑफ इंग्लैंड और स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरें बढ़ाई हैं। इसके चलते एफपीआई शेयरों से बांड की ओर रुख कर रहे हैं। ट्रेडस्मार्ट के चेयरमैन विजय सिंघानिया ने कहा, 'अनिश्चितता के ऐसे परिदृश्य जबकि बांड पूंजी की सुरक्षा और बेहतर प्रतिफल की पेशकश कर रहे हैं, निवेशकों की बिकवाली तय है। मार्च, 2020 के बाद अमेरिका के बाजारों में सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट देखने को मिली है।' उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर मुद्रास्फीति चिंता का विषय है और इसपर अंकुश के लिए रिजर्व बैंक नीतिगत दरें बढ़ा रहा है। वहीं मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव का मानना है कि फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक वृद्धि के बाद रिजर्व बैंक भी अगले दो-तिमाहियों में नीतिगत दरों में इजाफा करेगा।

मूडीज ने आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक का मूलभूत कर्ज आकलन सुधारा

मुंबई । मूडीज की निवेशक सेवा ने आईसीआईसीआई और एक्सिस बैंक के मूलभूत कर्ज आकलन (बीसीए) में सुधार किया है, जो कर्ज के मूलभूत कारकों विशेषकर परिसंपत्ति गुणवत्ता का बेहतर होना दर्शाता है। मूडीज ने कहा कि बैंकों के बीसीए को बीएए3 से सुधाकर बीए1 कर दिया है। हालांकि, इससे जमा रेटिंग में कोई परिवर्तन नहीं आएगा, जो भारत की सॉवेरन रेटिंग 'बीएए3 स्थिर' के स्तर पर ही है। उसने कहा कि दोनों बैंकों के बीसीए को सुधारने के पीछे वजह परिसंपत्ति गुणवत्ता, पूंजी और लाभ का बेहतर होना है। उनकी परिसंपत्ति गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आया है और गैर निष्पादित कर्जों का सकल एवं शुद्ध अनुपात भी घट रहा है। इसके अलावा उनका लाभ भी बेहतर हुआ है। आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक का परिसंपत्तियों पर रिर्टन मार्च 2022 तक क्रमशः 1.8 फीसदी और 1.2 फीसदी था। यह इससे पहले चार वर्षों तक और मार्च 2020 के अंत तक औसत 0.8 फीसदी और 0.4 फीसदी था।

कोयले की आपूर्ति के लिए सरकार का बिजली उत्पादक कंपनियों को रैक खरीदने निर्देश

- बिजली उत्पादक कंपनियों को कोयले की सुगम आपूर्ति सुनिश्चित हो पाएगी

नई दिल्ली।

सरकार ने बिजली उत्पादक कंपनियों (जेनको) को अपने खुद के इस्तेमाल (कैप्टिव) के लिए रैक की खरीद करने का निर्देश दिया है। इससे मानसून के सीजन में बिजली उत्पादक कंपनियों को कोयले की सुगम आपूर्ति सुनिश्चित हो पाएगी। केंद्रीय बिजली मंत्री आरके सिंह ने कहा कि हर साल मानसून के दौरान घरेलू कोयले के उत्पादन में गिरावट आती है। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार मानसून के दौरान उत्पादन और आपूर्ति के मुद्दों के मद्देनजर रैक की व्यवस्था कर रही है, मंत्री ने इसका सकारात्मक जवाब दिया। सिंह ने कहा कि रैक एक और समस्या है। कोयला मंत्रालय कह रहा है कि कई ऐसे स्थान हैं जहां शुष्क ईंधन उपलब्ध है लेकिन उपलब्धता के अनुरूप इनका परिवहन नहीं हो पा रहा है।

उन्होंने कहा कि रैक की कमी के अलावा कुछ मार्गों पर भीड़भाड़ की वजह से भी आपूर्ति प्रभावित हो रही है। सिंह ने कहा कि रेलवे को इन मार्गों पर भीड़भाड़ की समस्या के हल को कार्रवाई करने की जरूरत है, जिससे इन स्थानों से ज्यादा कोयला निकाला जा सके। कुछ ऐसे क्षेत्र जहां पर्याप्त रैक उपलब्ध हैं वहां कोयला मंत्रालय को उत्पादन बढ़ाना होगा। उन्होंने कोई ब्योरे दिए बिना कहा` कि भारतीय रेल अधिक रैक की खरीद कर रही है। मैंने जेनको को रैक में निवेश करने का निर्देश दिया है। मंत्री ने कहा कि यदि आपके पास अपना रैक होगा तो आपकी परिवहन की लागत बचेगी। रैक करीब 25-30 साल चलता है। एनटीपीसी के पास पहले से अपने रैक हैं। वे अपने रैक की संख्या बढ़ा रहे हैं। मैंने सभी राज्यों की बिजली उत्पादक कंपनियों से कहा है कि वे अपने रैक खरीदें। इससे रेलवे पर बोझ कम होगा।उन्होंने कहा कि सरकार मानसून के दौरान बिजली संयंत्रों में कोयले का भंडार बढ़ाकर चार करोड़ टन पर पहुंचाने का प्रयास कर रही है। अभी इन संयंत्रों के पास 2.29 करोड़ टन का भंडार है।

ओडिशा बड़े पैमाने पर औद्योगिक और आर्थिक वृद्धि के लिए तैयार : पीडब्ल्यूसी इंडिया

भुवनेश्वर । ओडिशा विकास के पायदान चढ़ने को आतुर है। पीडब्ल्यूसी इंडिया के मुखिया संजीव कृष्ण ने कहा कि ओडिशा बड़े पैमाने पर औद्योगिक और आर्थिक वृद्धि के लिए तैयार है और उनकी फर्म इसमें योगदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। पीडब्ल्यूसी इंडिया ने हाल ही में भुवनेश्वर में अपना नया कार्यालय शुरू किया था और उद्योग संघ फिक्की के साथ मिलकर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। कृष्ण ने कहा, 'ओडिशा आर्थिक क्रांति के मुहाने पर है और हम इस यात्रा में फिक्की जैसे साझेदारों को पाकर खुश हैं, ताकि राज्य को आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरने में मदद कर सकें।' फिक्की ओडिशा राज्य परिषद के अध्यक्ष रंजन नाइक ने कहा कि राज्य लौह अयस्क से स्टील, और कोयला, बॉक्साइट से एल्यूमीनियम जैसे कई मूल्य वर्धित उत्पादों की ओर बढ़ रहा है।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 3.91 लाख करोड़ घटा

- दस प्रमुख कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली । बीते सप्ताह शेयर बाजारों में जोरदार बिकवाली के बीच सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 3.91 लाख करोड़ रुपए की भारी गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी, विदेशी कोषों की निकासी और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल की वजह से बाजार में बिकवाली का सिलसिला पिछले कई सत्रों से लगातार जारी है। सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 3,91,620.01 करोड़ रुपए नीचे घट गया। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस को सबसे अधिक नुकसान हुआ। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 1,01,026.4 करोड़ रुपए घटकर 11,30,372.45 करोड़ रुपए, रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 84,352.76 करोड़ रुपए घटकर 17,51,686.52 करोड़ रुपए, इन्फोसिस का मूल्यांकन 37,656.62 करोड़ रुपए के नुकसान से 5,83,846.01 करोड़ रुपए और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का 34,787.49 करोड़ रुपए के घाटे के साथ 4,14,097.60 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 33,507.66 करोड़ रुपए घटकर 7,16,373.13 करोड़ रुपए, एचडीएफसी की 22,977.51 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 3,72,442.63 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक के बाजार पूंजीकरण में 22,203.69 करोड़ रुपए घटकर 4,78,540.58 करोड़ रुपए, हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) का मूल्यांकन 20,535.43 करोड़ रुपए घटकर 4,96,351.15 करोड़ रुपए, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 18,563.19 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 3,93,575.37 करोड़ रुपए और भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 16,009.26 करोड़ रुपए घटकर 3,53,604.18 करोड़ रुपए रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवीर, आईसीआईसीआई बैंक, एलआईसी, एसबीआई, एचडीएफसी तथा भारती एयरटेल का स्थान रहा।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 428 परियोजनाओं की लागत 4.98 लाख करोड़ बढ़ी

देरी से चल रही हैं बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 647 परियोजनाएं

नई दिल्ली । देरी और अन्य कारणों की वजह से बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक खर्च वाली 428 परियोजनाओं की लागत तय अनुमान से 4.98 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की अप्रैल-2022 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,559 परियोजनाओं में से 428 की लागत बढ़ी है, जबकि 647 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार इन 1,559 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 21,73,907.11 करोड़ रुपए थी, जिसके बढ़कर 26,72,201.26 करोड़ रुपए पर पहुंचने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 4,98,294.15 करोड़ रुपए बढ़ी है। अप्रैल-2022 तक इन परियोजनाओं पर 13,50,610.98 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 50.54 प्रतिशत है। हालांकि मंत्रालय का कहना है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें, तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 525 पर आ जाएगी। रिपोर्ट में 619 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। देरी से चल रही 647 परियोजनाओं में से 103 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 111 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 314 परियोजनाएं 25 से 60 महीने की और 119 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी में चल रही हैं। इन 647 परियोजनाओं की देरी का औसत 42.83 महीने है। इन परियोजनाओं में देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है। इनके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिये जाने में विलंब, परियोजना की संभावनाओं में बदलाव, निविदा प्रक्रिया में देरी, ठेके देने व उपकरण मंगाने में देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि की वजह से भी इन परियोजनाओं में विलंब हुआ है।

वैश्विक रुझानों और कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी शेयर बाजारों की चाल

- रुपए का उतार-चढ़ाव और मानसून से संबंधित खबरें भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण होंगी

नई दिल्ली ।

घरेलू मोर्चे पर किसी बड़े घटनाक्रम के अभाव में इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुझानों से तय होगी। विश्लेषकों ने कहा कि निवेशकों की नजरें विदेशी कोषों के रुख और कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी। उनका मानना है कि इसके अलावा मानसून की प्रगति भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगी। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारतीय बाजारों के लिए बड़ी चिंता की बात विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की अंधाधुंध बिकवाली है। रुपए का उतार-चढ़ाव और मानसून से संबंधित खबरें भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण होंगी। घरेलू मोर्चे पर किसी बड़े घटनाक्रम के अभाव में स्थानीय बाजारों की दिशा वैश्विक रुख से तय होगी। बाजार भागीदारों की निगाह कोविड संक्रमण के मामलों और मानसून की प्रगति पर होगी। उनका कहना है कि कमजोर वैश्विक रुख, अमेरिका में ब्याज दरों में आक्रामक वृद्धि तथा एफआईआई की बिकवाली की वजह से बीते सप्ताह बाजार में भारी गिरावट रही। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कई ऐसी चीजें हैं जो इस सप्ताह बाजार का रुख तय करेंगी। मुद्रास्फीति और मौद्रिक नीति, जिंस कीमतें विशेष रूप से कच्चा तेल, यूक्रेन-रूस युद्ध के मोर्चे से जुड़ी खबरें और घरेलू मांग तथा कंपनियों की आमदनी जैसे कारक निकट भविष्य में बाजारों की दिशा तय करेंगे। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह घरेलू और वैश्विक मोर्चे पर कोई बड़ा घटनाक्रम नहीं होने जा रहा है। ऐसे में स्थानीय बाजारों के लिए वैश्विक रुझान महत्वपूर्ण होंगे।

रेलीगेयर ब्रोकिंग के एक अे धिकारी कहते हैं कि घरेलू बाजार अब वैश्विक ट्रिगरों पर उतार-चढ़ाव देख रहा है। उनका कहना है कि आगे बाजार का रुख यूएस फेड के चेयरमैन की स्पीच और चीन की ब्याज दरों को लेकर की जाने वाली घोषणा पर जाता दिख सकता है।

इसके अलावा मॉनसून का भी इस पर असर देखने को मिल सकता है। उनका कहना है कि फिलहाल उनका नजरिया बाजार को लेकर नकारात्मक है और वह हर उछाल पर बिकवाली की सलाह देंगे।

आईसीआईसीआई, एनपीसीआई के आईटी संसाधन महत्वपूर्ण सूचना ढांचा घोषित

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और यूपीआई का प्रबंधन करने वाले संस्थान एनपीसीआई के सूचना प्रौद्योगिकी संसाधनों को महत्वपूर्ण सूचना ढांचा घोषित कर दिया है। आधिकारिक अधिसूचनाओं में इसकी जानकारी दी गई है। सरकार ने तीनों संस्थानों के लिए तीन अलग अधिसूचनाएं जारी की हैं। इसका अर्थ यह है कि इन्हें नुकसान पहुंचाने का राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर पड़ेगा और कोई व्यक्ति अनधिकृत रूप से इनके साथ छेड़छाड़ करता है या इन तक पहुंच बनाता है तो उसे 10 साल तक की जेल हो सकती है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इस संबंध में 16 जून को अधिसूचना जारी कर सूचना प्रौद्योगिकी कानून, 2000 की धारा 70 के तहत इन्हें महत्वपूर्ण ढांचा घोषित किया था। अधिसूचना के अनुसार केंद्र सरकार ने आईसीआईसीआई बैंक के प्रमुख बैंकिंग सॉल्यूशन, रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (आरटीजीएस), नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (एनईएफटी) से संबंधित कंप्यूटर संसाधनों को महत्वपूर्ण सूचना ढांचा घोषित किया है।

इसके अलावा इनसे संबंधित संस्थानों के भी कंप्यूटर संसाधनों को भी इसमें शामिल किया गया है ताकि उपरोक्त कानून के अनुसार इनकी प्रणाली की सुरक्षा की जा सके। ठीक इसी तरह की 2 अन्य अधिसूचनाएं एचडीएफसी और एनपीसीआई के लिए भी जारी हुई हैं। इस अधिसूचना से इन संस्थानों के आईटी संसाधनों का एक्सेस निर्धारित कर्मचारियों, निविदा आधारिक सेवा प्रदाताओं के टीम मेंबर्स, थर्ड पार्टी वेंडर्स जिन्हें इसकी अनुमति मिली हो, जरूरत पड़ने पर कंसल्टेंट के पास, रेगुलेटर, सरकारी अधिकारी, ऑडिटर व संस्था द्वारा अनुमति प्राप्त अन्य हितधारकों के पास होगा। उत्तर प्रदेश पुलिस में साइबर अपराध के पुलिस अधीक्षक एवं प्रमाणित एक साइबर विशेषज्ञ ने कहा` कि हाल में हुए अत्याधुनिक साइबर हमलों को देखते हुए यह सही समय है कि सभी बैंक और वित्तीय संस्थान अपने आप को संरक्षित प्रणाली के तहत अधिसूचित करवाएं।

गोल्फर त्वेसा दूसरे दौर में पहुंची , दीक्षा बाहर

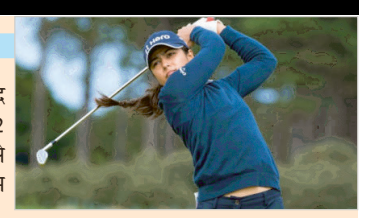

लंदन । भारत की त्वेसा मलिक आरामको टीम सीरीज लंदन गोल्फ टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। त्वेसा ने तीन बर्डी खोने के बाद 18वें होल पर बर्डी लगायी। पहले दौर में 74 के बाद उन्होंने दूसरे दौर में 78 का स्कोर किया। वह संयुक्त 59वें स्थान पर है जबकि 62 खिलाडियों ने कट में जगह बनायी। वहीं भारत की ही दीक्षा डागर को कट में जगह नहीं मिली जबकि इंग्लैंड की हेली डेविड ने अंतिम दौर से पहले दो शॉट की बढ़त बना ली थी। वहीं दूसरी ओर पुरुष वर्ग में भारतीय गोल्फर उद्यन माने ने इंडो मास्टर्स गोल्फ निमंत्रण प्रतियोगिता के अंतिम दौर में दो अंडर 70 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त 42वें स्थान पर रहे। माने ने अंतिम दौर में चार बर्डी और दो बोगी लगायी। उन्होंने 73, 71, 78 और 70 के कार्ड खेले। एशियाई डेवलपमेंट टूर पर इंडोनेशिया में आठ टूर्नामेंट की सीरीज की यह दूसरी प्रतियोगिता थी। आस्ट्रेलिया के हैरिसन गिलबर्ट ने अंतिम दौर में 66 के कार्ड से खिताब जीता। भारतीय महिला गोल्फर अदिति अशोक ने दूसरे दौर में तीन अंडर 69 का बेहतर स्कोर किया पर वह 'मीजर एलपीजीए क्लासिक' टूर्नामेंट में कट हासिल नहीं कर पायीं।

फीफा वर्ल्डकप में जुटेंगे 12 लाख से अधिक दर्शक, कतर सरकार क्रूज पर ठहराने के अलावा बड़ौइन टैंट की भी करेगी व्यवस्था

दोहा । फीफा विश्व कप 2022 को भव्य बनाने के लिए कतर सरकार दिन प्रति दिन नई व्यवस्थाएं कर रही है। समुद्र किनारे क्रूज में फैंस को ठहराने के अलावा सरकार दर्शकों के लिए पारंपरिक 1000 बडौइन टैंट भी बनाएगी। इन टैंट में सभी तरह की सुविधाएं होंगी। 28 दिवसीय फीफा विश्व कप में प्रबंधन को इस मुकाबले के लिए 1.2 मिलियन दर्शकों के आने की उम्मीद है। यह कतर की आबादी का लगभग आधा हिस्सा है। फैंस इतने हैं कि उतने कतर के होटलों में कमरे नहीं है। ऐसे में कतर सरकार ने फैंस को रॉयल महसूस कराने के उद्देश्य से रेगिस्तान में पारंपरिक बेडौइन टैंट बनाने की योजना बनाई है। इनकी संख्या 1000 होगी। इन टैंट में तमाम तरह की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। टूर्नामैंट के आयोजक सुप्रीम कमेटी फॉर डिलीवरी एंड लिगेसी उमर अल-जबर ने कहा दोहा के आसपास के रेगिस्तानी इलाके में इसकी व्यवस्था की जाएगी। हम प्रशंसकों को एक रेगिस्तान में रहने का मौका देंगे। इनमें 200 टैंट विशेष होंगे, जिसकी फैंस को फीस देनी होगी। कतर पर्यटन के अनुसार- कतर में 30,000 से कम होटल कमरे हैं, जिनमें से 80 प्रतिशत फीफा विश्व कप मेहमानों के लिए आवंटित किए गए हैं। कमरों की समस्या दूर करने के लिए दो क्रूज जहाजों को दोहा बंदरगाह और साझा विला में खड़ा किया जाएगा। इनमें कम से कम 69,000 कमरे उपलब्ध होंगे। इसका प्रबंधन यूरोप के सबसे बड़े होटल संचालक एकोर द्वारा किया जाएगा। प्रबंधन का मानना है कि विश्व कप के दौरान कुल 1 लाख कमरों की जरूरत होगी जिसका प्रबंध किया जाएगा। टूर्नामैंट में प्रशंसकों के लिए लोकल एयरलायंस डेली सर्विस देंगी। कतर ने क्षेत्रीय एयरलाइनों को 180 से अधिक डेली सर्विस देने के लिए आमंत्रित किया है। इससे प्रशंसकों को पास के शहरों में जाने में सुविधा होगी। दोहा में हमाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में 2022 फीफा विश्व कप का आधिकारिक पोस्टर लॉन्च किए गए। पोस्टर को कतर के कलाकार बुथैना अल मुफ्ताह ने डिजाइन किया है। अल मुफ्ताह ने कहा मैं चाहती थी कि प्रत्येक पोस्टर कतर में उत्सव और फुटबॉल के प्रशंसकों को दिखाए। मुख्य पोस्टर में गुटरा और अगल (पारम्परिक टोपी) को हवा में फेंकते हुए दिखाया गया है। ऐसा तब होता है जब गोल होने पर प्रशंसक खुशी व्यक्त करता है। इसमें अल थुमामा स्टेडियम के डिजाइन और शुभंकर लाईब की आकृति भी दिखती है। फीफा के विपणन निदेशक जीन-फ्रांस्वा पैथी ने कहा- कतर 2022 के लिए आधिकारिक पोस्टर कतर की कलात्मक और फुटबॉल विरासत का एक वायुमंडलीय प्रतिबिंब है। हमें पोस्टर की इस खूबसूरत श्रृंखला पर बहुत गर्व है जो कतर के फुटबॉल के जुनून को चित्रित करता है। यह मैच 5 शहरों के 8 स्टेडियम में खेला जाएगा-अल बेयट स्टेडियम, खलीफा इंटरनेशनल स्टेडियम, अल थुमामा स्टेडियम, अहमद बिन अली स्टेडियम, लुसैल स्टेडियम, रास अबू अबूद स्टेडियम, एजुकेशन सिटी स्टेडियम, अल जानौब स्टेडियम। 21 नवंबर 2022 को टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह कतर के लुसैल आइकॉनिक स्टेडियम में होगा जबकि फाइनल मुकाबला भी इसी स्टेडियम पर 18 दिसंबर 2022 को आयोजित किया जाएगा।

हरमप्रीत की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम श्रीलंका पहुंची

कोलंबो । राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख वी वी एस लक्ष्मण से जरुरी मार्गदर्शन लेकर हरमप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को श्रीलंका पहुंची। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय कप्तान सहित महिला खिलाड़ियों की तस्वीरें अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से जारी की हैं। इसमें जो पहली तस्वीर है। उसमें हरमनप्रीत एयरपोर्ट से बाहर आती हुई नजर आ रही हैं जबकि दूसरी तस्वीर में स्मृति मंधाना दिख रही हैं। मंधाना भी एयरपोर्ट से अपना सामान लेकर बाहर आती हुई नजर आ रही हैं। सभी महिला खिलाड़ियों ने मास्क लगाया हुआ है। भारतीय महिला टीम अपने इस दौरे में मेजबान टीम के साथ तीन टी20 और इतने ही एकदिवसीय मैच खेलेगी। इस दौरे की शुरुआत टी20 सीरीज से होगी। सीरीज का पहला टी20 मैच 23 जून को दांबुला में होगा। इसके बाद एकदिवसीय सीरीज होगी। एकदिवसीय सीरीज के तीनों मैच 1 से 7 जुलाई के बीच पल्लेकल में खेले जाएंगे। टीम के कोलंबो रवाना होने से पहले लक्ष्मण ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। अनुभवी बल्लेबाज मिताली राज के संन्यास लेने के कारण टीम की कप्तानी हरमनप्रीत को मिली है। हरमनप्रीत के लिए यह दौरान बेहद अहम है क्योंकि अनुभवी बल्लेबाज झूलने गोस्वामी भी निजी कारणों से इस दौरे में शामिल नहीं है।

फीडे कैंडीडेट्स शतरंज - रद्जाबोव को हराकर नाकामुरा नें की वापसी

मेड्रिड ,स्पेन (निकलेश जैन) फीडे कैंडीडेट 2022 के दूसरे दिन चार में से सिर्फ एक मैच जीत और तीन ड्रॉ के साथ समाप्त हुए । पहले राउंड में हार के बाद, अमेरिकी दिग्गज ग्रांड मास्टर हिकारू नाकामुरा ने वापसी करते हुए अज़रबैजान के तैमूर रद्जाबोव को साढ़े छह घंटे तक चले मुक़ाबले में पराजित किया। सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए राय लोपेज़ ओपनिंग में नाकामुरा को थोड़ी बेहतर स्थिति मिली और उन्होने रद्जाबोव पर धीरे-धीरे दबाव बढ़ाते हुए 75 चालों में जीत दर्ज की । पहले राउंड में जीत दर्ज करने वाले यूएसए के फबियानों कारुआना और रूस के यान नेपोमिन्सी के बीच इटेलिअन ओपनिंग में 31 चालों में बाजी अनिर्णीत रही । अपना 19वां जन्मदिन मना रहे फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा बड़ी मुश्किल से सिसलियन ओपनिंग में हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट के खिलाफ 60 चाल में बाजी ड्रॉ करा सके । पहला राउंड हारने के बाद टॉप सीड चीन के डिंग लीरेन नें सम्हाल कर खेलते हुए पोलैंड के यान डूड़ा से 41 चालों में इटेलिअन ओपनिंग में अंक बाँट लिया ।पहले दो राउंड के बाद फिलहाल नेपोमिन्सी और कारुआना 1.5 अंक बनाकर सयुंक्त बढ़त पर चल रहे है ।

मेरे क्रिकेट खेल के जुनुने ने मुझे टीम का फिनिशनर बना दिया : दिनेश कार्तिक

मुंबई । साउथ अफीका के खिलाफ चौथे टी20 में दिनेश कार्तिक की धमाकेदार अर्धशतकीय पारी से भारत ने 82 रन से जीत हासिल की। जीत के साथ ही टीम इंडिया सीरीज में 2-2 की बराबरी कर ली। मैच में कार्तिक ने 27 गेंद में 55 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 9 चौके और 2 छक्का भी लगाया। वहीं डेब्यू के 16 साल बाद कार्तिक ने टी20 इंटरनेशनल में अपना अर्धशतक जड़ा। कार्तिक को उनके शानदार खेल के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। कार्तिक ने बताया कि कैसे उन्होंने अपने खेल में बदलाव कर वह टीम के लिए फिनिश भूमिका में पहुंचे हैं। कार्तिक ने कहा, 'मैं किसी भी हाल में भारत के लिए विश्व कप खेलना चाहता हूं। इस जूनून के कारण मैं यहां तक पहुंचा हूं। मैं इसके लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं। मैं बस टीम इंडिया के लिए कुछ खास करना चाहता हूं और मुझे पता है कि भारत के लिए खेलना मेरे लिए कितना महत्वपूर्ण है।' कार्तिक ने कहा, मैंने अपनी तरफ से मेहनत करने में कोई कसर नहीं छोड़ा। किस्मत से आरसीबी ने मुझे एक प्लेटफॉर्म दिया। वहां जो जिम्मेदारी मुझे मिली उसी को मैने आगे बढ़ाया है। अब टीम इंडिया के लिए भी मैं परिस्थितियों के आधार पर अपना शत प्रतिशत देने की तैयारी में हूं।' बता दें कि आईपीएल 2022 से पहले जब दिनेश कार्तिक को कोलकाता नाइट राइडर्स ने रिलीज कर दिया था, तब कहा जाने लगा

कि उनका करियर खत्म हो चुका है। टीम इंडिया में उनकी जगह नहीं बन पा रही थी, तब वह कमेंट्री करने लगे लेकिन भारत के लिए खेलने का उनका पागलपन कम नहीं। इसके लिए कार्तिक ने मेहनत जारी रखी और आरसीबी के लिए सीजन-15 में जो किया उससे अब विश्व कप में खेलने का उनका सपना पूरा होता हुआ नजर आ रहा है। इसके बाद कार्तिक को अलग टी20 विश्व कप में जगह मिलती है, तब कुछ इसतरह के खिलाड़ी भी होंगे जिनकी टीम से छुट्टी हो सकती है।

कार्तिक बल्लेबाजी के साथ टीम के लिए विकेटकीपिंग में भी एक विकल्प रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

नीरज ने विश्व चैंपियन पीटर्स को हराकर कुओर्टेन खेलों में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली । भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने फिनलैंड के कुओर्तने खेलों में विश्व चैम्पयन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स को हराकर स्वर्ण पदक जीता है। नीरज ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी हैं। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद नीरज ने दूसरी बार किसी टूर्नामेंट में भाग लिया है। नीरज ने 86.69 मीटर भाला फेंककर यह पदक हासिल किया। उन्होंने अपने पहले प्रयास में ही यह दूरी हासिल की जबकि उनका दूसरा और तीसरा प्रयास फाउल के कारण बेकार हो गया। उन्होंने इसके बाद और थ्रो नहीं किये। वहीं त्रिनिदाद एवं टोबैगो के केशोर्न वालकॉट 86.64 मीटर भाला फेंककर दूसरे स्थान पर रहे जबकि पीटर्स 84.75 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ ही तीसरे स्थान पर रहे। नीरज ने इससे पहले फिनलैंड के तुर्कू में पावो नूरमी खेलों में 89.30 मीटर भाला फेंककर रजत पदक जीता था। अब उन्हें 30 जून को स्टॉकहोम में होने वाली डायमंड लीग में भाग लेना है।

अय्यर को टी20 विश्व कप में शायद ही अंतिम ग्यारह में जगह मिले : जाफर

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने कहा है कि आगामी टी20 विश्व कप में बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। अंतिम दो मैचों में अय्यर 20 रन भी नहीं बना पाये। ऐसे में अय्यर को इस साल अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप में शायद ही अंतिम ग्यारह में जगह मिल पाये। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में युवाओं को इसलिए अवसर मिला है ताकि उन्हें अपनी क्षमताएं दिखाने का अवसर मिले लेकिन यहां अय्यर विफल रहे। अय्यर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तेज गेंदबाजों के खिलाफ बल्लेबाजी में मुश्किल हुई है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया की तेज पिचों पर खेलने में उन्हें परेशानी हो सकती है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर को भी ऐसा ही लगता है। उनका कहना है कि भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में अय्यर को जगह मिलना कठिन है क्योंकि लोकेश राहुल, रोहित शर्मा, विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव विश्व कप के लिए टीम में रहेंगे। अय्यर ने टी20 सीरीज में अच्छी शुरुआत की थी। उन्होंने पहले मैच में 36 रन जबकि दूसरे मैच में 40 रन बनाये थे पर अंतिम 2 मैच में वह 14 और 4 रन ही बना पाये। इस दौरान अंतिम 2 पारियों में वह केवल 18 रन ही बना पाये। आईपीएल के 15 वें सत्र में केकेआर की कप्तानी करते हुए भी वह विफल रहे। उनकी टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को लेकर जाफर ने कहा कि उन्हें अपने ऑफ साइड के खेल को सुधारना होगा।

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर सैम्स ने वाइटैलिटी ब्लास्ट में एसेक्स की तरफ से खेलते हुए मचाया धमाल

नई दिल्ली ।

आईपीएल 2022 में रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली मुंबई इंडियंस की ओर से खेलने वाले ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर डेनियल सैम्स ने इंग्लैंड की वाइटैलिटी ब्लास्ट में एसेक्स की तरफ से खेलते हुए धमाल मचाया है। सैम्स ने ससेक्स शार्क्स के खिलाफ 24 गेंद में 71 रन की आतिशी पारी खेली। उनकी इस पारी की बदौलत एसेक्स ईगल्स ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 244 रन बनाए। यह टी20 ब्लास्ट में एसेक्स का सबसे बड़ा स्कोर है।

सैम्स की इस पारी की बदौलत एसेक्स ने यह मुकाबला 11 रन से जीत लिया। यह चौथे मैच में सैम्स की टीम की तीसरी जीत है। सैम्स ने आईपीएल 2022 में 11 मैच में 13 विकेट लिए थे। इस मैच में ससेक्स के कप्तान रवि बोपारा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। लेकिन, एसेक्स के लिए एडम रोसिंग्टन और फिरोज खुशी की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की।

दोनों ने पहले विकेट के लिए 4.4 ओवर में 50 रन जोड़ डाले। इसी स्कोर पर एसेक्स को रोसिंग्टन के रूप में पहला झटका लगा, जब वह 35 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आए माइकल पैपर ने भी 200 के स्ट्राइक रेट से 18 गेंद में 36 रन जोड़े और टीम के स्कोर को 9वें ओवर में ही 94 रन पर पहुंचा दिया। हालांकि, पैपर इसी स्कोर पर आउट हो गए। इसके बाद क्रिचली ने 20 गेंद में 34 और पॉल वॉल्टर ने 8 गेंद में 12 रन बनाए। इन दोनों के आउट होने के बाद डेनिएल सैम्स बल्लेबाजी के लिए उतरे और उन्होंने ससेक्स के गेंदबाजों की परेशानी कम होने के बजाए और बढ़ा दी। सैम्स ने क्रिचली के साथ मिलकर आखिरी के पांच ओवर में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। सैम्स ने पहले टाइमिल मिल्स के 17वें ओवर में 29 रन बटोरे और इसके बाद 19वें ओवर में एक बार बल्ले से कहर बरपाया। उन्होंने इस ओवर में 2 छक्के और तीन चौके उड़ाए और कुल 26 रन बटोरे। इस दौरान सैम्स ने टी20 ब्लास्ट में अपनी पहली फिफ्टी भी पूरी की। क्रिचली और सैम्स की जोड़ी ने 18 गेंद में 51 रन की साझेदारी की और आखिरी के 4 ओवर यानी 24 गेंद में 76 रन ठोक डाले।

सैम्स आखिरी ओवर में आउट हो गए। लेकिन, तब तक वो ससेक्स को नुकसान पहुंचा चुके थे। सैम्स ने 24 गेंद में 71 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 6 चौके और इतने ही छक्के उड़ाए। यानी बाउंड्री से ही 60 रन ठोक डाले। सैम्स की तूफानी पारी के दम पर एसेक्स ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 244 रन बनाए।

अब बारी ससेक्स शार्क्स की बल्लेबाजी की थी। 20 ओवर में 245 रन के लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं होता है।

हार्दिक सिर्फ धोनी की सलाह पर करते हैं अमल

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2022 में गुजरात टाइटंस को खिताबी जीत दिलाने वाले ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अब भारतीय टीम में धमाल मचा रहे हैं। पंड्या साउथ अफ्रीका के खिलाफ चौथे टी20 में 31 गेंद में 46 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेलकर टीम इंडिया को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस जीत के साथ ही भारत अब पांच मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है। मैच के बाद हार्दिक पंड्या ने बीसीसीआई टीवी के लिए दिनेश कार्तिक का एक खास इंटरव्यू किया। इस दौरान हार्दिक ने बताया कि कैसे उन्होंने अपनी कप्तानी में गुजरात को आईपीएल का खिताब दिलाया और किसकी सलाह मानने पर उन्हें इतनी बड़ी सफलता हासिल की है। हार्दिक ने कहा मैं हमेशा पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से सलाह लेता रहता हूं। वह जिस तरह से शांत रहकर अपनी रणनीति पर आगे बढ़ते हैं, वह शानदार है। करियर के शुरुआत में उन्होंने मुझे सलाह दी थी कि तुम यह मत सोचो की टीम का स्कोर क्या है। यह सोचो की टीम की जरूरत क्या है और मैं अब इसी चीज का पालन करता हूं। कार्तिक के द्वारा पूछे गए इस सवाल पर कि गुजरात और टीम इंडिया के लिए खेलते हुए वह अपनी प्लानिंग में क्या कुछ बदलाव करते हैं। इसके जवाब में उन्होंने कहा मैं अपने खेल में कुछ खास बदलाव नहीं करता। मैं बस अपनी टाइमिंग और अपने जोन में आने वाली गेंद को खेलने का प्रयास करता हूं। चाहे मैं गुजरात के लिए खेलूं या फिर टीम इंडिया के लिए। बता दें कि पंड्या ने टीम इंडिया के लिए 2016 में अपना टी20 डेब्यू किया था। इसके बाद से वह अब तक कुल 58 टी20 मैच खेल चुके हैं। हालांकि चोट के कारण वह लगातार टीम से अंदर बाहर होते रहे हैं, लेकिन उन्हें जब भी मौका मिलता है वह गेंद और बल्ले दोनों से अपना भरपूर योगदान देते हैं। यही कारण की आयरलैंड दौरे पर उन्हें टीम इंडिया की कप्तानी दी गई है।

शॉपिंग करते नजर विराट और रोहित

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और बल्लेबाज विराट कोहली इंग्लैंड के साथ यहां होने वाली क्रिकेट सीरीज के पहले बाजार में खरीददारी करते नजर आये। रोहित और विराट की जो तस्वीरें सामने आयी हैं। उसमें ये दोनो लंदन के एक बाजार में शॉपिंग करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान इन दोनों ही खिलाड़ियों ने प्रशंसकों के साथ सेल्फी भी ली। विराट शुक्रवार को ही टीम के साथ लॉर्ड्स में अभ्यास शुरू कर दिया था। भारतीय टीम के अभ्यास सत्र को देखने भी प्रशंसक पहुंचे। टीम का अभ्यास समाप्त होने के बाद जब विराट होटल की तरफ लौट रहे थे, तो कुछ बच्चों ने उनके साथ सेल्फी की बात कही। कोहली ने भी इसे स्वीकार कर बच्चों के साथ सेल्फी ली। भारतीय टीम अपने इस दौरे में लीसेस्टरशर के खिलाफ अभ्यास मैच के बाद 1 जुलाई को इंग्लैंड से टेस्ट मैच खेलेगी। यह मैच इंग्लैंड दौरे पर कोरोना संक्रमण के कारण नहीं हो पाया था। भारतीय टीम इस मैच के अलावा सीरीज में तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैच भी खेलेगी।

भारतीय हॉकी टीम शूटआउट में नीदरलैंड से हारी

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एफआईएच प्रो लीग के दूसरे चरण के पहले ही मैच में नीदरलैंड से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में नियमित समय तक दोनो ही टीमें 2-2 से बराबरी पर थी लेकिन शूटआउट में नीदरलैंड ने बाजी मार ली। नीदरलैंड ने शूटआउट में 1-4 से जीत दर्ज की। इस हार के साथ ही भारतीय टीम की खिताब हासिल करने की संभावनाएं अन्य टीमों पर भी निर्भर हो गयी हैं। इस मैच से भारत को केवल एक अंक ही मिला। इस प्राकर 15 मुकाबलों के बाद भारतीय टीम के पास अब केवल 30 अंक हो गये हैं। वहीं अंक तालिका में शीर्ष पर बरकरार नीदरलैंड के 13 मैचों में 33 अंक हैं जबकि बेल्जियम के 14 मैचों में 31 अंक हैं। अभी नीदरलैंड को तीन जबकि बेल्जियम को दो मैच और खेलने हैं। भारतीय टीम की ओर से दिलप्रीत सिंह ने 22वें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद हरमनप्रीत सिंह ने सैच समाप्त होने से ठीक पहले बराबरी का गोल किया। इस मैच में दोनो ही टीमों ने आक्रामक खेल खेला।

नीदरलैंड की ओर से तिजमेन रेयेंग ने 10वें मिनट में एक गोल किया। भारत की ओर से मैच के 22वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने वरूण कुमार के पास पर मैदानी गोल किया। इसके बाद तीसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ।

मैच के अंतिम क्वार्टर में 47 मिनट में कोएन बिजेन के मैदानी गोल से नीदरलैंड को फिर बढ़त मिल गयी। अंतिम 23 सेकंड में भारत ने को पेनाल्टी कार्नर मिला जिसपर गोल करने में हरमनप्रीत ने कोई गलती नहीं की और स्कोर को 2-2 से बराबरी पर ला दिया हालांकि किन शूट आउट में भारतीय टीम अवसरों का लाभ नहीं उठा पायी।

पेरिस में जैमैका की शैली एन फिनिश लाइन पार करने के बाद अपना हाथ हिलाकर उत्साहित होती हुई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक ग्रंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनुसरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडक्र उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवरारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

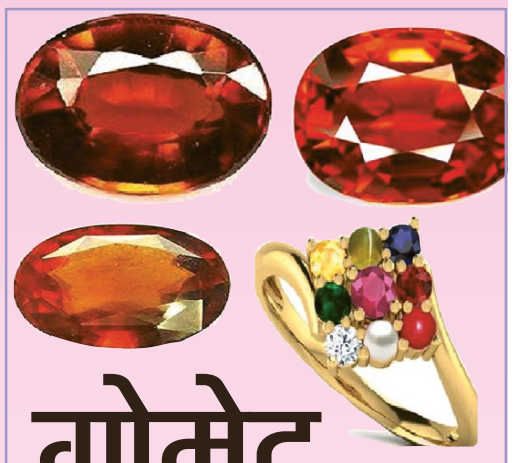

गोमेद एक खूबसूरत रत्न

जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अत- ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं।

कौन ना पहने ये रत्न- जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन कोरोना संक्रमित, जो बाइडेन के लगातार संपर्क में थे

रेहोबोथ बीच (अमेरिका)।व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखे जाने की शर्त पर बताया कि सुलिवन आमतौर पर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से लगातार संपर्क में रहते हैं, लेकिन पिछले बार वह उनसे इस सप्ताह की शुरुआत में मिले थे। अधिकारी ने बताया कि सुलिवन के निकट संपर्क में आए दो लोग संक्रमित पाए गए थे, जिसके बाद से वह बाइडन से दूरी बना रहे थे। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की प्रवक्ता एड्रिएन वाटसन ने कहा कि सुलिवन में ''बीमारी के लक्षण नहीं हैं।'' व्हाइट हाउस ने बृहस्पतिवार को पुष्टि की थी कि बाइडन जांच में संक्रमित नहीं पाए गए हैं। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि क्या उनकी हाल में जांच की गई है।

अमेरिका: वाशिंगटन में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले सैकड़ों लोग योग सत्र में हुए शामिल

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) से पहले यहां प्रतिष्ठित 'वाशिंगटन मोन्यूमेंट' पर भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित योग सत्र में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। अमेरिकी प्रशासन, संसद, उद्योग, राजनयिक कोर, मीडिया और प्रवासी भारतीय सहित विभिन्न क्षेत्रों से लोगों ने शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यूएस नेशनल साइंस फाउंडेशन (एनएसएफ) के निदेशक डॉ सेतुरमण पंचनाथन ने कहा कि योग दुनिया को भारत का सबसे बड़ा उपहार है। कई प्रवासियों और अमेरिकी संगठनों के सहयोग से दूतावास द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ पंचनाथन को सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। एनएसएफ के निदेशक ने कहा कि योग सभी भौगोलिक क्षेत्रों और सीमाओं को एकजुट करने वाली एक मजबूत शक्ति है। समारोह के तहत एक सामान्य योग प्रोटोकॉल सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि योग शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक और बौद्धिक कल्याण को बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के बाद के उभरते परिदृश्य में योग लचीलापन, स्वास्थ्य, एकजुटता, करुणा और प्रसन्ना हासिल करने में मदद कर रहा है। संधू ने कहा कि योग लोगों के बीच महत्वपूर्ण आपसी जुड़ाव और संपर्क को गहरा कर रहा है, जो भारत-अमेरिका द्विपक्षीय साझेदारी के मूल में है। अमेरिका में भारत के सभी पांच वाणिज्य दूतावास - न्यूयॉर्क, शिकागो, ह्यूस्टन, अटलांटा और सैन फ्रांसिस्को - भी 2022 के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

श्रीलंका में ईंधन की कमी से बिगड़े हालात, सोमवार से सरकारी स्कूल और ऑफिस बंद करने का ऐलान

कोलंबो । श्रीलंका में आर्थिक संकट के बीच ईंधन की कमी से हालात और बिगड़ गए हैं। देश में अगले हफ्ते से सार्वजनिक क्षेत्र के कार्यालयों और स्कूलों को बंद करने का ऐलान किया गया है। सरकारी कर्मचारी भी सोमवार से ऑफिस नहीं आएंगे। दरअसल सरकार ने यह बड़ा फैसला ईंधन की गंभीर कमी के चलते लिया है। श्रीलंका के शिक्षा मंत्रालय ने राजधानी कोलंबो के सभी सरकारी और निजी स्कूलों के शिक्षकों को अगले सप्ताह से ऑनलाइन क्लास शुरू करने को कहा है। मौजूदा ईंधन स्टॉक तेजी से घटने के कारण आयात के लिए विदेशी मुद्रा हासिल करने के श्रीलंका पर गहरा दबाव है। लोक प्रशासन मंत्रालय ने एक आदेश जारी करते हुए सभी सरकारी संस्थानों और लोकल काउंसिल को सोमवार से ऑफिस बंद रखने को कहा है। क्योंकि देश में पेट्रोल और डीजल की भारी कमी है। इस आदेश में कहा गया कि ईंधन की आपूर्ति में भारी कमी, पब्लिक ट्रांसपोर्ट और निजी वाहनों के इस्तेमाल करने में कठिनाई के कारण यह निर्णय लिया गया है। हालांकि हेल्थ सर्विस से जुड़े कर्मचारी को राहत दी गई है। उल्लेखनीय है कि श्रीलंका 1948 में आजादी के बाद से अब तब के सबसे बुरे आर्थिक संकट से गुजर रहा है। आलम यह है कि सरकार के पास जरूरी वस्तुओं का आयात करने के लिए पैसा नहीं बचा है। देशभर के पेट्रोल पंप पर वाहनों की लंबी कतारे लगी हुई हैं और लोग ईंधन की आपूर्ति नहीं होने के कारण विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके अलावा श्रीलंका में नागरिकों को भारी बिजली कटौती का सामना भी करना पड़ रहा है। श्रीलंका में इस वक्त फॉरेन एक्सचेंज, तेल, खाद्य पदार्थ और जरूरी दवाओं की भारी कमी है, जिसके कारण अर्थव्यवस्था बुरी तरह से चौपट हो गई है।

अमेरिका में मिट्टी के संरक्षण को बढ़ावा वॉकेथॉन में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने भागीदारी की

ह्यूस्टन । मिट्टी के संरक्षण को प्रोत्साहित करने अमेरिका में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने 'वॉकेथॉन' कार्यक्रम में अपनी भागीदारी की। उन्होंने दुनियाभर के लोगों से मिट्टी के जैविक तत्व को 3-6 प्रतिशत तक बढ़ाने की दिशा में प्रयास तेज करने का आग्रह भी किया। 'कॉन्शियस प्लैनेट' के सहयोग से ईशा फाउंडेशन द्वारा आयोजित पांच किलोमीटर लंबी वॉकेथॉन मानव गतिविधियों को प्रकृति और हमारे ग्रह पर मौजूद सभी जीवों की सहायता के लिए संरेखित करने के प्रयास का हिस्सा थी, ताकि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, चिलचिलाती गर्मी के बावजूद उत्तर और दक्षिण अमेरिका के 60 से अधिक शहरों में सैकड़ों लोग मिट्टी बचाओ आंदोलन में शामिल हुए। ह्यूस्टन में स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिसकर्मियों, मीडिया कर्मियों और प्रवासी भारतीयों सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने वॉकेथॉन में हिस्सा लिया।

ब्रिटिश-भारतीय लेखिका सूफिया अहमद ने 'फेमस फाइव' उपन्यास के किरदारों पर अपने तरीके से लिखी पुस्तक

लंदन । ब्रिटेन में रहने वाली भारतीय मूल की एक लेखिका सूफिया अहमद ने प्रख्यात उपन्यासकार एनिड ब्लीटन द्वारा लिखित उपन्यास 'फेमस फाइव' के किरदारों पर अपने तरीके से एक पुस्तक की रचना की है, जिसमें ब्रिटेन के आधुनिक जीवन को प्रतिबिंबित किया गया है। सूरत से ताल्लुक रखने वाली सूफिया अहमद ने हाल ही में अपनी चार पुस्तकों की श्रंखला में शामिल दूसरी पुस्तक 'फाइव एंड द रनवे डॉग' का विमोचन किया। इसका प्रकाशन ब्लीटन की सबसे ज्यादा बिकने वाली पुस्तक के प्रकाशकों ने किया है। अहमद ने कहा कि 'फेमस फाइव' के ये नए किरदार आधुनिक समय को अधिक स्पष्टता से प्रतिबिंबित करते हैं। उन्होंने नई किताब में कुछ दक्षिण एशियाई तड़का भी लगाया है और इसे ब्लीटन की लेखन शैली को सच्ची श्रद्धांजलि करार दिया है। उन्होंने कहा, ब्लीटन की 'फेमस फाइव' किरीन नामक गांव की पृष्ठभूमि पर आधारित है। मेरी पुस्तक में किरीन गांव में अधिक विविध पात्र दर्शाए गए हैं। अहमद ने कहा, मैंने 'फाइव एंड द रनवे डॉग' में दक्षिण एशियाई मूल की एक लड़की सिमी और उसके परिवार की कहानी बयां की है, जो गांव चला गया है। सिमी इस कहानी की मुख्य किरदार है और उसका चित्र पुस्तक के कवर पर भी प्रकाशित किया गया है।

भारत ने धार्मिक भय के खिलाफ यूएन में अपना पक्ष रखा, कहा इसको लेकर दोहरे मानमंड नहीं हो सकते

जिनेवा । संयुक्त राष्ट्र में भारत ने धार्मिक भय यानी रिलिजियोफोबिया के खिलाफ अपना पक्ष रखा और कहा कि इसे लेकर 'दोहरे मानदंड' नहीं हो सकते। रिलिजियोफोबिया एक 'चुनिंदा कवायद' नहीं होनी चाहिए, जिसमें सिर्फ एक या दो धर्म शामिल किए जाएं। 'घृणास्पद भाषण से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस' की पहली वर्षगांठ के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में भारत के स्थाई प्रतिनिधि टीएस त्रिमूर्ति ने कहा कि भारत आतंकवाद, खासकर सीमा पार आतंकवाद का सबसे बड़ा शिकार रहा है। उन्होंने देशों से एक ऐसी शिक्षा प्रणाली विकसित करने का आह्वान किया जो बहुलवाद और लोकतंत्र के सिद्धांतों को बढ़ावा देकर आतंकवाद का मुकाबला करने में सही मायने में योगदान दे। तिरुमूर्ति ने 'घृणास्पद भाषण से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस' की पहली वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एक उच्च स्तरीय कार्यक्रम में कहा जैसा कि हमने बार-बार जोर दिया है कि केवल एक या दो धर्मों को शामिल कर रिलिजियोफोबिया के मुकाबले की कवायद चुनिंदा नहीं होनी चाहिए, बल्कि गैर-अब्राहम धर्मों के खिलाफ भी यह फोबिया पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। जब तक ऐसा नहीं किया जाता, ऐसे अंतरराष्ट्रीय दिवस अपने उद्देश्यों को कभी हासिल नहीं कर पाएंगे। रिलिजियोफोबिया पर दोहरे मापदंड नहीं हो सकते। तिरुमूर्ति ने संयुक्त राष्ट्र में कई मौकों पर रेखांकित किया है कि धार्मिक भय के समकालीन रूपों को गुरुद्वारों, मठों और मंदिरों जैसे धार्मिक स्थलों पर हमलों में वृद्धि या कई देशों में गैर-अब्राहम धर्मों के खिलाफ घृणा और दुष्प्रचार के प्रसार में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत की बहुसांस्कृतिक विशेषता ने सदियों से इसे भारत में शरण लेने वाले सभी लोगों के लिए एक सुरक्षित आश्रय स्थल बना दिया है, चाहे वह यहूदी समुदाय हो या पारसी या तिब्बती।

डलवारे में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन साइकिल की सवारी के दौरान गिर पड़े।

डेलावेयर में अपने बीच हाउस में साइकिल से गिरे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन डेलावेयर में अपने बीच हाउस के पास केप हेनलोपेन स्टेट पार्क के पास शनिवार को साइकिल से उतरने की कोशिश करते हुए गिर पड़े, हालांकि उन्हें चोट नहीं आई है। घटना के तुरंत बाद अमेरिका सीक्रेट सर्विस एजेंट्स ने राष्ट्रपति को उठने में मदद की। उसके बाद बाइडन ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मैं ठीक हूं। उन्होंने कहा कि मुझे कोई चोट नहीं आई। उन्होंने कहा बस मेरा पैर फंस गया था। गौरतलब है कि 79 वर्षीय राष्ट्रपति बाइडन और उनकी पत्नी जिल बाइडन सुबह साइकिल पर घूमने निकले थे और अपने शुभचिंतकों से मिलने के लिए आगे बढ़ रहे थे। हेलमेट पहने हुए बाइडन साइकिल से उतरने का प्रयास करते हुए नीचे गिर पड़े। दायीं ओर गिरने के बाद संभलते हुए बाइडन तुरंत खड़े हो गए। इस मौके पर सीक्रेट सर्विस ने लोगों को हटाया। व्हाइट हाउस की ओर से कहा गया कि राष्ट्रपति के शरीर पर गिरने से कोई खरोच नहीं आई। ह्वाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा उन्हें किसी तरह के चिकित्सकीय सहायता की जरूरत नहीं पड़ी।

अब एकध्रुवीय विश्व का दौर खत्म हुआ, अपनी रक्षा के लिए परमाणु बम के प्रयोग से भी नहीं हिचकेंगे: पुतिन

मास्को (एजेंसी)।

यूक्रेन युद्ध के बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दुनिया में एकध्रुवीय विश्व का दौर खत्म हो गया है। पुतिन ने कहा रूस परमाणु हथियारों की दुनिया को धमकी नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा मॉस्को इन हथियारों का प्रयोग अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए जरूर करेगा। रूसी राष्ट्रपति ने सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

जब परमाणु युद्ध और तीसरे विश्व युद्ध के खतरे के बारे में पश्चिम के आरोपों पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया, तो रूसी राष्ट्रपति ने कहा यह आखिर आता कहां से है? उनके स्वयं के बयानों से कभी-कभी गैर-जिम्मेदार राजनेता कुछ इस तरह की बातें करते हैं, यहां तक कि उच्च पदस्थ राजनेता भी। उन्होंने कहा क्या हमें चुप रहना चाहिए? हम जवाब दे रहे हैं। जैसे ही हम जवाब देते हैं, वे कहते हैं देखो, रूस हमें धमकी दे रहा है। हम किसी को धमकी नहीं दे रहे हैं, लेकिन सभी को पता होना चाहिए कि

हम अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए क्या कर सकते हैं।

यूक्रेन में रूस के चल रहे युद्ध के बारे में, पुतिन ने दावा किया कि आक्रमण का कानूनी पक्ष, जिसे मॉस्को विशेष सैन्य अभियान कहता है, पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय कानून का अनुपालन करता है। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा उन्होंने कोसोवो पर संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के फैसले को भी याद किया। उन्होंने कहा, जब एक क्षेत्र को एक स्टेट से अलग किया जाता है, तो केंद्रीय अधिकारियों से अनुमति मांगना आवश्यक नहीं है। उन्होंने उस मसले पर कहा, इस मामले में डोनबास गणराज्यों को कीव अधिकारियों से अनुमति मांगने की आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की। इस संबंध में, हमें उन्हें मान्यता देने का अधिकार था या नहीं? बेशक हमने ऐसा किया। हमने उनके साथ एक पारस्परिक सहायता समझौते पर हस्ताक्षर किए और इस समझौते के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 151 के अनुसार, हम उन्हें सैन्य सहायता प्रदान करते हैं।

पुतिन ने कहा हमारे कार्य बिल्कुल वैध हैं। यह स्वीकार करते हुए कि सैन्य कार्रवाई हमेशा एक त्रासदी साबित होती है, पुतिन ने कहा यूक्रेन युद्ध एक आवश्यक उपाय था। हमारे पास कोई और उपाय नहीं बचा था। युद्ध के मद्देनजर पश्चिम द्वारा रूस पर लगाए गए कई प्रतिबंधों के बारे में बोलते हुए, राष्ट्रपति ने कहा वे मूर्ख और विचारहीन हैं। उन्होंने दावा किया कि रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के कारण यूरोपीय संघ को 400 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा 27 सदस्यीय ब्लॉक में महंगाई बढ़ रही है और यूरोप में लोगों के वास्तविक हितों को दरकिनार किया जा रहा है।

फिलीपींस के राष्ट्रपति दुतेर्ते की बेटी ने ली उपराष्ट्रपति पद की शपथ, 30 जून को पदभार ग्रहण करेंगी

मनीला। (एजेंसी)।

फिलीपींस में पद छोड़ रहे लोकप्रिय राष्ट्रपति दुतेर्ते की बेटी सारा दुतेर्ते ने रविवार को उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। सारा ने शानदार चुनावी जीत अपने पिता के मानवाधिकार रिकॉर्ड के बावजूद हासिल की, जिनके कार्यकाल में मादक पदार्थ से जुड़े हजारों संदिग्ध तस्करों को मार गिराया गया था। सारा अभी तक दक्षिण स्थित अपने गृहनगर दावो की महापौर थीं। वह 30 जून को पदभार ग्रहण करेंगी। दुतेर्ते के मौजूदा साथी और राष्ट्रपति चुने गये फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर 30 जून को मनीला में पद की शपथ लेंगे।

77 वर्षीय राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते ने बंदरगाह शहर दावो में भारी सुरक्षा के बीच आयोजित समारोह में अति विशिष्ट मेहमानों की अगुवाई की। रोड्रिगो दुतेर्ते 1980 के दशक के अंत से लंबे समय तक दावो के महापौर रह चुके हैं। मध्यम वर्गीय पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखने वाले दुतेर्ते के परिवार ने लंबे समय से वामपंथियों और मुस्लिम विद्रोह और हिंसक राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण अशांत दक्षिणी क्षेत्र में एक मजबूत राजनीतिक राजवंश का निर्माण किया। सारा और मार्कोस जूनियर की चुनावी जीत ने वामपंथी और मानवाधिकार समूहों को चिंतित कर दिया है, क्योंकि वे दिवंगत तानाशाह फर्डिनेंड मार्कोस सहित दोनों के पिता के राज में बड़े पैमाने पर मानवाधिकार हनन संबंधी अत्याचारों को संज्ञान में लाने में विफल रहे। राष्ट्रपति के बेटों में से एक, सेबस्टियन दुतेर्ते, अब दावो के मेयर पद पर अपनी बहन का स्थान लेंगे और उनके एक अन्य बेटे पाओलो दुतेर्ते ने नौ मई के चुनाव में प्रतिनिधि सभा की एक सीट पर जीत दर्ज की। राष्ट्रपति पद छोड़ रहे राष्ट्रपति के दिवंगत पिता भी दावो के पूर्व गवर्नर थे। इस बार सारा (44) ने अपने पिता और समर्थकों की राष्ट्रपति बनने की अपील को खारिज कर दिया था, लेकिन उन्होंने भविष्य में राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की संभावना को खारिज नहीं किया है। हालांकि, पिछले साल चुनाव पूर्व सर्वेक्षण में सारा राष्ट्रपति पद के लिए शीर्ष पर थीं। सारा ने उपराष्ट्रपति पद संभालने के साथ शिक्षा सचिव के रूप में सेवा देने पर भी सहमति जताई है। लेकिन यह भी चर्चा है कि सारा की प्रारंभिक प्राथमिकता राष्ट्रीय रक्षा विभाग की प्रमुख बनने की थी, जो राष्ट्रपति बनने का एक पारंपरिक आधार है।

इजरायल से रिश्तों को लेकर पाकिस्तान नरम अब व्यापार को भी तैयार?

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

इजरायल से रिश्तों को लेकर पाकिस्तान अब नरम रुख अपना रहा है। पाकिस्तान पहले इजरायल को मान्यता नहीं देता है इसलिए दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध भी नहीं हैं। पाकिस्तान फिलिस्तीनियों की मांग का कट्टर समर्थक है। लेकिन पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के सीनेटर सलीम मांडवीवाला ने शनिवार को पाकिस्तान और इजरायल के बीच राजनयिक संबंधों की संभावना पर एक बड़ी बात कह दी। उन्होंने कहा कि मुल्क को वही करना चाहिए जो उसके अपने हित में है। साल 2020 में अमेरिका की ओर से कराए गए अब्राहम समझौते के तहत इजरायल, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन के बीच संबंध सामान्य हो गए थे। लेकिन पाकिस्तान ने कहा था कि वह 'फिलिस्तीनी मुद्दे' का समाधान होने तक इजरायल को मान्यता नहीं दे सकता। मांडवीवाला की पार्टी वर्तमान में पाकिस्तान में सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'हमें किसी भी देश के साथ संवाद और व्यापार को नहीं रोकना चाहिए।'

अंतरिक्ष में वैज्ञानिकों ने खोजा हर सेकंड पृथ्वी के बराबर बढ़ रहे ब्लैक होल को

सिडनी (एजेंसी)।

इस संपूर्ण ब्रह्मांड में गृहों की दिशा दशा को लेकर रहस्य बना रहता है। खासकर अंतरिक्ष की दुनिया अपने आप में बड़ी रोचक है। इसके कई ऐसे रहस्य हैं, जिनसे इंसान बेखबर है। ऐसा ही एक रहस्य है ब्लैक होल।

हाल ही में ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी (एएनयू) के वैज्ञानिकों ने 9 अरब सालों से सबसे तेजी से बढ़ते ब्लैक होल की खोज की है। यह इतना शक्तिशाली है कि हर सेकंड पृथ्वी के बराबर बढ़ रहा है। इस ब्लैक होल का द्रव्यमान भी सूरज से 3 अरब गुना ज्यादा बताया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक शोधकर्ताओं का कहना है कि ब्लैक होल को अंधेरी क्षेत्रों में टेलिस्कोप की मदद से आसानी से देखा जा सकता है। यह शोध एक जर्नल में प्रकाशित हुआ है। वैज्ञानिकों के मुताबिक एक खास प्रकार के तारों की खोज के दौरान यह ब्लैक होल पाया गया। लीड रिसर्चर क्रिस्टोफर ओंकेन का कहना है कि इस तरह के ऑब्जेक्ट की खोज वैज्ञानिक 50 साल से करने की कोशिश कर रहे हैं।

अब तक वैज्ञानिकों ने कई ब्लैक होल्स की खोज की, लेकिन उनकी नजर से यह ब्लैक होल छूट गया। कुछ महीने पहले ही रिसर्चर्स ने हमारी मिल्की वे गैलेक्सी में सेगेटेरियस ए नाम के ब्लैक होल की खोज की थी। यह आकाशगंगा के बीचों बीच स्थित है। शोधकर्ताओं की मानें तो अभी मिला ब्लैक होल इसके मुकाबले 500 गुना ज्यादा बड़ा है।

पाक मंत्री का दावा- 15 साल तक सत्ता पर राज करना चाहते थे इमरान खान, पूरे विपक्षी का सफाया करने का था प्लान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान फासीवादी योजना के तहत इस साल के अंत तक पूरे विपक्षी नेतृत्व को अयोग्य घोषित कराकर 15 वर्ष तक शासन करना चाहते थे। मीडिया में रविवार को आई एक खबर के अनुसार, पीएमएल-एन के एक वरिष्ठ मंत्री ने यह दावा किया है। ऊर्जा मंत्री खुर्रम दस्तगीर ने शनिवार को एक टीवी कार्यक्रम में कहा कि उन्हें पहले से जानकारी थी कि खान पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष व मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी और अहसान इकबाल सहित पूरे विपक्षी नेतृत्व का सफाया करना चाहते थे।

डॉन समाचार पत्र की खबर के अनुसार मंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने यह घोषणा भी की थी कि उनके राजनीतिक विरोधियों के

खिलाफ मामलों में तेजी लाने के लिए 100 न्यायाधीशों की सेवाएं ली जाएंगी। जब उनसे पूछा गया कि उनकी पार्टी सिर्फ डेढ़ साल के लिए देश का शासन अपने हाथ में लेने को तैयार क्यों हुई, उन्होंने कहा, गठबंधन केवल इसलिए बनाया गया है, क्योंकि खान की इस देश पर हमला करने की फासीवादी योजना थी। दस्तगीर के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता और पूर्व मंत्री अली हैदर जैदी ने कहा, ÷खुर्रम दस्तगीर खुले तौर पर स्वीकार कर चुके हैं कि भ्रष्टाचार के मामलों से विपक्ष को बचाने की साजिश के माध्यम से इमरान खान की संवैधानिक रूप से चुनी हुई सरकार को हटाया गया था। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ये ठग अब अर्थव्यवस्था को नष्ट कर रहे हैं।

कौन है म्यांमार की नेता आंग सान सू की जो लेकर आई लोकतंत्र, जेल में क्यों है नजरबंद?

बीजिंग (एजेंसी)।

आंग सान सू की ने 2016 से 2021 तक म्यांमार की पहली स्टेट काउंसलर के रूप में काम किया। 1 फरवरी, 2021 को, म्यांमार की सेना ने नवंबर 2020 के आम चुनाव परिणामों को धोखाधड़ी करने और एक साल के लिए आपातकाल लागू करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सू की का जन्म 19 जून, 1945 को रंगून, बर्मा में हुआ था। सू की के पिता आंग सान ने आधुनिक बर्मी सेना की स्थापना की थी और युनाइटेड किंगडम से 1947 में बर्मा की स्वतंत्रता पर बातचीत की थी।

इसी साल उनके प्रतिद्वंद्वियों ने उनकी हत्या कर दी।आंग सान अपनी माँ, खिन कई और दो भाइयों आंग सान लिन और आंग सान ऊ के साथ रंगून में बड़ी हुई। नई बर्मी सरकार के गठन के बाद सू की की माँ खिन कई एक राजनीतिक शख्सियत के रूप में प्रसिद्ध हासिल की। उन्हें 1960 में भारत और नेपाल में बर्मा का राजदूत नियुक्त किया गया। अपनी मां के साथ रह रही आंग सान सू की ने लेडी श्रीराम कॉलेज, नई दिल्ली से 1964 में राजनीति विज्ञान में स्नातक हुईं, फिर इंग्लैंड में सेंट ह्यूज कॉलेज, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से स्नातक और मास्टर डिग्री प्राप्त की। वह भारतीय नेता मोहनदास गांधी (1869 से 1948) की शिक्षाओं से भी प्रभावित हुईं, जो अहिंसक सविनय अवज्ञा में विश्वास रखते थे।

सू ची ने दो साल तक न्यूयॉर्क, न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में काम किया। 1972 में, उन्होंने माइकल वैलेनकोर्ट एरिस से शादी की, जो एक विद्वान थे। सू की अपने पति से ऑक्सफोर्ड में पढ़ते समय मिली थी। सू की को दो बेटे हुए। उन्होंने 1985-1986 तक सेंटर फॉर साउथईस्ट एशियन स्टडीज, क्योटो यूनिवर्सिटी, जापान में और 1987 में भारत के शिमला में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज में विजिटिंग स्कॉलर के रूप में काम किया। 1988 में सू ची म्यांमार लौट गईं। अगस्त 1988 में, सू की ने नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) के नेता के रूप में राष्ट्रीय पहचान प्राप्त की, बाद में सैन्य नेतृत्व वाली राज्य कानून और व्यवस्था बहाली परिषद (एसएलओआरसी) का विरोध किया। वह एनएलडी की महासचिव (और बाद में अध्यक्ष) बनीं और पूरे देश में लोकतंत्र के पक्ष में बात की। सेना को विभाजित करने के प्रयास के लिए एसएलओआरसी द्वारा 20 जुलाई, 1989 को उन्हें नजरबंद कर दिया गया था। वह दुनिया के सबसे प्रमुख राजनीतिक कैदियों में से एक, अगले 21

वर्षों में से लगभग 15 वर्षों तक नजरबंद रही।

हालांकि मई 1990 के चुनाव में सू की को पद के लड़ने की अनुमति नहीं दी गई, लेकिन एनएलडी ने 80 प्रतिशत विधायी सीटें जीतीं। हालांकि, जीतने वाले उम्मीदवारों को कभी भी पद ग्रहण करने की अनुमति नहीं दी गई। संयुक्त राष्ट्र ने सू की के रिहाई का आह्वान किया। उन्होंने लोकतंत्र और मानवाधिकारों के लिए कई पुरस्कार जीते, जिनमें विचार की स्वतंत्रता के लिए सखारोव पुरस्कार (यूरोपीय संसद, 1991), नोबेल शांति पुरस्कार (1991) और अंतर्राष्ट्रीय साइमन बोलिवर पुरस्कार (1992) शामिल हैं। आखिरकार उन्हें नवंबर 2010 में रिहा कर दिया गया।अप्रैल 2012 में सू ची संसद के लिए चुनी गईं और 2016 में स्टेट काउंसलर चुनी गईं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एफएटी संचालित विद्यालयों पर पाबंदी जम्मू-कश्मीर के लोगों पर एक और अत्याचार : महबूबा

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लाम के अनुषंगी संगठन फलह-ए-आम ट्रस्ट (एफएटी) द्वारा संचालित विद्यालयों पर पाबंदी लगाना जम्मू-कश्मीर के लोगों के भविष्य को 'कुचलने' के लिए उन पर किया गया 'एक और अत्याचार' है। उन्होंने कहा कि भूमि स्वामित्व, संसाधनों एवं नौकरियों के बाद अब आखिरी 'निशाना' शिक्षा है। एफएटी द्वारा संचालित 300 से अधिक शिक्षण संस्थानों के परिचालन पर जम्मू-कश्मीर सरकार के स्कूली शिक्षा विभाग ने रोक लगा दी है।

महबूबा ने ट्विटर पर लिखा, ''एफएटी संचालित विद्यालयों पर पाबंदी का यह कदम जम्मू-कश्मीर के लोगों के भविष्य को 'कुचलने' के लिए उन पर किया गया 'एक और अत्याचार' है। भूमि स्वामित्व, संसाधनों एवं नौकरियों के बाद अब आखिरी 'निशाना' शिक्षा है। मुझे यकीन है कि कश्मीरी निश्चित ही इससे उबरेंगे और अपने बच्चों को परेशानी नहीं होने देंगे।'' स्कूल शिक्षा सचिव द्वारा जारी आदेश में विभिन्न जिलों के मुख्य शिक्षा अधिकारियों को एफएटी संचालित विद्यालयों को जिला प्रशासन के साथ परामर्श के बाद 15 दिनों के भीतर सील करने को कहा गया है। आदेश में यह भी कहा गया है कि इन प्रतिबंधित विद्यालयों के विद्यार्थी वर्तमान सत्र के लिए नजदीकी सरकारी विद्यालयों में दाखिला ले सकेंगे। यह कदम जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी की जांच केआधार पर उठाया गया है। एजेंसी ने इन विद्यालयों पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के अलावा सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाया है।

योग दिवस से पहले बाबा रामदेव ने अहमदाबाद में कराया योग, राज्यपाल और मुख्यमंत्री हुए शामिल

अहमदाबाद । 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है, जो भारत समेत दुनियाभर में मनाया जाएगा7 गुजरात में राज्यस्तरीय योग दिवस का अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजन किया गया है। योग दिवस से पहले आज पूर्वी अहमदाबाद के निकोल क्षेत्र में बाबा रामदेव ने योग कराया। इस योग शिबिर में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी शामिल हुए7 शहर के निकोल क्षेत्र में आयोजित शिबिर में रामदेव ने लोगों को योग सिखाया। इस मौके पर रामदेव ने कहा कि कभी मंदिर, मस्जिद और अग्निपथ को लेकर देश में बवाल मचा हुआ है। संविधान में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन बगैर किसी हिंसा के। देश की संपत्ति को कोई नुकसान ना पहुंचे इसका सभी को ध्यान रखना चाहिए और इसके लिए संयम जरूरी है। संयम और धैर्य योग से आएगा। लोगों के संयमित और धैर्यवान होने से भाईचारा भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि योग करने से लोगों में चेतना आएगी। पतंजली की ओर से योग दिवस पर 3 लाख से ज्यादा गांवों में योग का आयोजन किया जाएगा। 100 वर्ष तक सभी को अपनी आयु 25 साल की रखना है। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि हमारे लिए गर्व की बात है कि 10-12 साल पहले योग का ब्युगल बजा था, जिसे बाबा रामदेव ने आज फिर ताजा किया है। अगर हम स्वस्थ होंगे तभी सांसारिक, व्यापारिक और औद्योगिक इत्यादि में काम कर सकेंगे। हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आभारी हैं कि उन्होंने योग को दुनियाभर में पहुंचाने काम किया है। नतीजतन 21 जून को योग दिवस के रूप में मनाने का दुनिया के 177 देश सहमत हुए। 21 जून को बड़ी संख्या में योग कर हम दुनिया को संदेश देंगे। गौरतलब है 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है और उससे पहले गुजरात योग बोर्ड, पतंजली योग समिति ने पूर्वी अहमदाबाद के निकोल क्षेत्र के वीरांजलि मैदान में योग शिबिर का आयोजन किया था। जिसमें गुजरात के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, अहमदाबाद के महापौर और स्थायी समिति के चेयरमैन समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

पटना से दिल्ली के लिए उड़ान भर रहे स्पाइसजेट के विमान में लगी आग, कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

नयी दिल्ली। बिहार के पटना से बड़ी खबर सामने आ रही है जहां दिल्ली के लिए उड़ान भर रहे स्पाइस जेट के विमान में आग लग गई। विमान में कई यात्री सवार थे और तुरंत ही विमान की इमरजैंसी लैंडिंग कराई गई। किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं है। सभी यात्री सुरक्षित है। बताया जा रहा है कि विमान के इंजन में आग लगी गई है और इसकी सूचना मिलते ही एयरपोर्ट प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया। पटना के एसएएसपी मानवजीत सिंह ढिल्लों ने मीडिया से बातचीत में बताया कि स्पाइसजेट की एक फ्लाइट दिल्ली जा रही थी। उड़ान भरते ही एयरपोर्ट प्राधिकरण ने ध्यान दिया कि उसके एक विंग में आग लगी है। प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग सफलतापुर्वक हो गई है। अभी किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अन्य प्रोटोकॉल को पूरा किया जा रहा है।बता दें कि एयरपोर्ट के बाहर एंबुलेंस तैनात कर दी गई है। विमान में आग को बुझाने की कोशिश जारी है।

लोगों ने उड़ते विमान में देखी आग

पटना के डीएम चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि पटना-दिल्ली फ्लाइट ने जैसे ही एयरपोर्ट से टेक-ऑफ किया। उसके बाएं तरफ के इंजन में आग पकड़ ली। विमान में सवार लोगों ने उड़ते विमान से धुआं उठते हुए देखा, तो तुरंत जिला प्रशासन को फोन करके सूचित किया। प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एयरपोर्ट प्रशासन को सूचना दी। फिर फ्लाइट को वापस पटना एयरपोर्ट पर उतारा गया।

'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का नेतृत्व करेंगे केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मांडविया

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को मनाया जाएगा इस अवसर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया गुजरात के केवडिया में स्थित 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' पर आयोजन का नेतृत्व करेंगे। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के 8वें संस्करण के आयोजन के लिए देश भर में 75 जगहों को चुना गया है और स्टेच्यू ऑफ यूनिटी उनमें से एक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 जून को कर्नाटक के मैसूरू पैलेस ने योग दिवस का नेतृत्व करेंगे। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पिछले संस्करणों की उपलब्धियों के बारे में बताने के लिए मैसूरू में डिजिटल योग प्रदर्शनी लगायी जाएगी। देश की आजादी के 75 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अवसर पर देश के 75 महत्वपूर्ण स्थलों को चुना गया है।

ओमीक्रोन की वजह से हफ्ते भर में 60 फीसदी बढ़ गया कोरोना का संक्रमण, विशेषज्ञों ने की पुष्टि

नई दिल्ली । कोविड-19 के मामलों में ताजा उछाल के पीछे ओमीक्रोन की सब-लीनिएज हैं। भारत के सार्स-कोव-2 जीनॉमिक्स कंसोर्टियम इन्सैकॉग के विशेषज्ञों ने इसकी पुष्टि कर दी है। जीनॉमिक सर्विलांस डेटा का रिव्यू करने के बाद बाद इन्सैकॉग ने यह अपडेट दिया है। देश में कोविड-19 के ज्यादातर मामलों में ओमीक्रोन के सब-वेरिएंट बीए.2 और बीए.2.38 मिले हैं। कुछ हिस्सों में बीए.4, बीए.5 ने भी केसेज की तादाद बढ़ाई। अभी तक कोई नया वेरिएंट नहीं मिला है। सूत्रों के अनुसार, 60 फीसदी सैम्पल्स में बीए.2 मिला है, जबकि बीए.2.38 33 प्रतिशत मामलों में पाया गया है। बीए.4 और बीए.5 का प्रतिशत अभी खासा कम है। मुंबई, तिरुवनंतपुरम, पुडुचेरी, दिल्ली-एनसी, मिजोरम, नॉर्थ-ईस्ट जहां क्लस्टर्स मिले, वहां ज?यादातर केस बीए.2 और बीए.2.38 के हैं। ज्यादातर मामलों में संक्रमण बेहद हल्का रहा। इन मरीजों को सर्दी, खांसी, बुखार और बदनदर्द जैसी शिकायतें रहीं।

असम के कई इलाकों में बाढ़ से तबाही, गुवाहाटी के कई और इलाके पानी में डूबे

गुवाहाटी। (एजेंसी)।

असम में बाढ़ की स्थिति रविवार को भी बेहद गंभीर बनी रही और राज्य के कई जिलों में कुछ और इलाके इसके प्रभाव में आ गए। वहीं, रातभर हुई मूसलाधार बारिश के कारण गुवाहाटी के कई क्षेत्र पानी में डूब गए। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के ताजा अपडेट के मुताबिक, राज्य में पिछले छह दिनों से बाढ़ आई हुई है और भूस्खलन हो रहा है, जिससे बड़े स्तर पर तबाही जारी है। एएसडीएमए के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 32 जिलों के 118 राजस्व क्षेत्रों और 4,291 गांवों में बाढ़ की सूचना है। लगभग 31 लाख लोग प्रभावित हुए हैं और उनमें से 1.56 लाख ने राज्यभर के अलग-अलग 514 राहत शिविरों में शरण ली है। एएसडीएमए ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित और राहत शिविरों में आश्रय नहीं लेने वाले लोगों को राहत सामग्री भी वितरित की गई है।

कम से कम 302 राहत वितरण केंद्र अस्थायी रूप से खोले गए। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को निकालने में जिला प्रशासन की मदद कर रहा है। राज्य आपदा मोचन बल, अग्निशमन और आपात सेवा के कर्मियों के साथ-साथ पुलिसकर्मियों और एएसडीएमए के स्वयंसेवकों को भी बचाव कार्य के लिए तैनात किया गया है। बुलेटिन में कहा गया है, 'विभिन्न एजेंसियों ने अब तक 20,983 लोगों को सुरक्षित निकाला है।' गुवाहाटी में शनिवार रात से हो रही मूसलाधार बारिश ने कहर बरपा रखा है, जिससे शहर के कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया है, जबकि कुछ जगहों पर पानी छाती के स्तर तक पहुंच गया है। गुवाहाटी नगर निगम के आयुक्त देवाशीष शर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि भरालू नदी पर स्थित सभी जलद्वार को बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा, 'ऊपरी असम में भारी बारिश और ब्रह्मपुत्र से अतिरिक्त पानी बहने के कारण गुवाहाटी में नदी का जल स्तर काफी बढ़ गया है। इसका स्तर अब इसकी सहायक भरालू नदी के स्तर से ऊपर है।'

शहर में ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को आने से रोकने के लिए प्रशासन ने गुवाहाटी शहर की जीवनरेखा भरालू के सभी जलद्वारों को बंद कर दिया है। शर्मा ने कहा, 'शहर के और इलाकों में पानी भर गया है।' जू रोड, आरजी बरुआ रोड, नबीन नगर, अनिल नगर, हाटीगांव, लचित नगर, तरुण नगर, ज्योतिकुची, घोरमारा, वीआईपी रोड, चांदमारी समेत कई इलाकों में बाढ़ की खबर है। एएसडीएमए की दैनिक बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार, सैलाब के कारण विभिन्न स्थानों पर आठ लोगों की जान चली गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस साल राज्यभर में बाढ़ और भूस्खलन में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 62 हो गई है। इस बीच, कछार, दीमा हसाओ, गोवालपारा, हैलाकांडी, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, करीमगंज और दक्षिण सलमारा जिलों में और भूस्खलन होने की सूचना मिली है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में औसतन 37.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। केंद्रीय जल आयोग के बुलेटिन के मुताबिक, ब्रह्मपुत्र नदी जोरहाट के नीमतीघाट, सोनितपुर के तेजपुर, गोवालपारा और धुबरी शहरों में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इसकी सहायक नदियां भी कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

योग दिवस से पहले बाबा रामदेव ने अहमदाबाद में कराया योग, राज्यपाल और मुख्यमंत्री हुए शामिल

अहमदाबाद। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है, जो भारत समेत दुनियाभर में मनाया जाएगा। गुजरात में राज्यस्तरीय योग दिवस का अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजन किया गया है। योग दिवस से पहले आज पूर्वी अहमदाबाद के निकोल क्षेत्र में बाबा रामदेव ने योग कराया। इस योग शिबिर में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी शामिल हुए। शहर के निकोल क्षेत्र में आयोजित शिबिर में रामदेव ने लोगों को योग सिखाया। इस मौके पर रामदेव ने कहा कि कभी मंदिर, मस्जिद और अग्निपथ को लेकर देश में बवाल मचा हुआ है। संविधान में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन बगैर किसी हिंसा के। देश की संपत्ति को कोई नुकसान ना पहुंचे इसका सभी को ध्यान रखना चाहिए और इसके लिए संयम जरूरी है। संयम और धैर्य योग से आएगा। लोगों के संयमित और धैर्यवान होने से भाईचारा भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि योग करने से लोगों में चेतना आएगी।

पैगंबर पर विवाद पर जो कहा गया वह भाजपा का स्टैंड नहीं : जयशंकर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

पैगंबर मोहम्मद पर चल रहा विवाद अभी भी जारी है। हाल ही में अमेरिका ने भाजपा के पूर्व नेताओं के बयान की निंदा की, हालांकि उन्होंने भाजपा द्वारा की गई कार्रवाई पर खुशी जताई। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि लोगों की संवेदनशीलता और समझ प्रभावित हुई, लेकिन उन देशों ने इस बात की तारीफ भी की कि भारत सरकार का इस विवादित टिप्पणी से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि वह भाजपा की राय नहीं थी। दरअसल, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि जो कहा गया था वह भाजपा की राय नहीं थी और पार्टी ने इसे बहुत मजबूत शब्दों में स्पष्ट कर दिया था और कार्रवाई भी की थी।

उन्होंने कहा कि न केवल खाड़ी के देश, बल्कि चिंता व्यक्त करने वाले दक्षिण-पूर्व एशिया के भी कुछ देशों ने इस बात की सराहना की कि यह भारत सरकार की स्थिति नहीं थी। जयशंकर ने कहा कि एक बार पार्टी ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी तो उन्हें उम्मीद है कि लोग इसे समझेंगे। विदेश मंत्री ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि ऐसे लोग होंगे जो बहती गंगा में हाथ धोना चाहेंगे। अंतरराष्ट्रीय संबंध बहुत ही प्रतिस्पर्धी खेल है, जो क्रीसबेरी नियमों द्वारा नहीं खेला जाता है। ऐसे लोग होंगे जो इससे अपना फायदा ढूंढने की कोशिश करेंगे।

उन्होंने कहा कि हमें ऐसे मामले में अपनी बात रखने की जरूरत है और हम ऐसा कर रहे हैं। यहां तक कि पिछले कुछ दिनों में आप देख सकते हैं कि लोग समझते हैं कि भारत में सही तस्वीर क्या है। यह पूछे जाने पर कि भारत को उन देशों द्वारा क्यों उपदेश दिया जाना चाहिए, जो लोकतांत्रिक दृष्टि से इस मामले में कहीं नहीं टिकते, मंत्री ने कहा कि वह पूरे मुद्दे को उस तरह से नहीं देखते हैं। वहीं इस मामले पर हाल ही में अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि हम भाजपा के दो आधिकारियों की तरफ से की गई आपत्तिजनक टिप्पणी की निंदा करते हैं और हम यह देखकर खुश हैं कि पार्टी ने सार्वजनिक तौर पर उन बयानों की निंदा की। उन्होंने कहा कि हम धर्म या आस्था की आजादी समेत मानवाधिकार के मुद्दों को लेकर नियमित रूप से भारत सरकार के संपर्क में रहते हैं और हम भारत को मानवाधिकार के लिए सम्मान बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा ने 26 मई को पैगंबर मोहम्मद को लेकर टिप्पणी की थी। इसपर कई इस्लामिक देशों ने खासी नाराजगी जाहिर की थी। इनमें कई देश ऐसे थे, जिनके भारत के साथ संबंध करीबी माने जाते हैं। बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों ने प्रधानमंत्री शेख हसीना से औपचारिक तौर पर निंदा की मांग की थी।

उत्तराखंड में जल्द प्रदेश अध्यक्ष घोषित करेगी आप, कार्यकर्ताओं में जोश भर रही पार्टी

देहरादून। (एजेंसी)।

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में करारी हार के बावजूद आम आदमी पार्टी (आप) एक बार फिर प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस का एक मजबूत विकल्प मुहैया कराने के प्रयास में जुट गई है। इसके लिए जल्द ही पार्टी के नए प्रदेश अध्यक्ष का नाम तय कर दिया जाएगा। 'आप' ने ब्लॉक से लेकर पंचायत तक जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं में जोश भरने की कवायद भी शुरू कर दी है, ताकि पार्टी आने वाले नगर निकाय सहित अन्य चुनावों में पूरे दम-खम से लड़ सके। इसी कड़ी में पार्टी जल्द ही अपना प्रदेश अध्यक्ष भी घोषित कर देगी।

फरवरी में हुए विधानसभा चुनाव में न केवल 'आप' का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था, बल्कि बाद में उसके कई बड़े नेताओं ने पार्टी से नाता भी तोड़ लिया। इनमें मुख्य रूप से मुख्यमंत्री पद का चेहरा रहे कर्नल (सेवानिवृत्त) अजय कोठियाल और प्रदेश अध्यक्ष दीपक बाली शामिल हैं। कोठियाल और बाली, दोनों ही सत्ताधारी भाजपा में शामिल हो चुके हैं। 'आप' के शुक्रवार को हुए विचार मंथन शिविर में पार्टी के प्रदेश प्रभारी दिनेश मोहनिया ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे आने वाले नगर निकाय चुनावों को पूरी ताकत के साथ लड़ें।

भारत में एक्टिव केस 72 हजार के पार हुए, पिछले 24 घंटे में 12899 नए मामले

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में एक दिन में कोविड-19 के 12,899 नए मामले सामने आने के बाद देश में कोरोना वायरस से अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 4,32,96,692 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 72,474 पर पहुंच गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अद्यतन आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में बीते 24 घंटे में संक्रमण से 15 और लोगों की मौत के बाद कुल मृतक संख्या बढ़कर 5,24,855हो गई। मंत्रालय ने बताया कि देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 72,474 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.17 प्रतिशत है। वहीं, मरीजों के संक्रमण मुक्त होने की राष्ट्रीय दर 98.62 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 4,366 की बढ़ोतरी हुई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, दैनिक संक्रमण दर 2.89 प्रतिशत, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 2.50 प्रतिशत है। देश में अभी तक कुल 4,26,99,363 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और मृत्यु दर 1.21 प्रतिशत है। मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत देशभर में अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 196.14 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

अग्निपथ योजना: ओवैसी ने साधा मोदी सरकार पर निशाना, लगाया देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने का आरोप

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

केंद्र की 'अग्निपथ' योजना को लेकर हो रहे प्रदर्शनों के बीच विपक्ष इसे तत्काल वापस लेने के लिए मांग कर रहा है। इसी कड़ी में एआईएमआईएम असदुद्दीन ओवैसी का भी बयान सामने आ गया है। ओवैसी ने केंद्र सरकार पर नौजवानों के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है। 4 साल के लिए क्या सिखेगा कोई? आप झूठ बोल रहे हैं। हैदराबाग से सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री से कहूंगा खिलवाड़ मत करिए। आप ने नोटबंदी की, 50 लाख लोगों की नौकरी चली गई।

ओवैसी का हमला

ओवैसी ने कहा कि आप ने रातों-रात गलत लॉकडाउन किया, लाखों लोग परेशान हो गए। आज आप नौजवानों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इससे पहले केंद्र की इस योजना की

आलोचना करते हुए ओवैसी ने कहा था कि प्रधानमंत्री के 'गलत फैसले' की वजह से युवा सड़कों पर हैं। दूसरी ओर कांग्रेस के सांसदों और नेताओं ने सशस्त्र बलों में भर्ती के लिए केंद्र की नयी अग्निपथ योजना का विरोध कर रहे युवाओं के प्रति एकजुटता दिखाते हुए जंतर मंतर पर 'सत्याग्रह' किया। कांग्रेस नेताओं और समर्थकों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा कि अग्निपथ योजना देश के युवाओं के लिए फायदेमंद नहीं है तथा यह राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरे में डालती है।

भाजपा ने बताया फायदा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने नेताओं को इस योजना का बचाव करने के लिए मैदान में उतारा। पार्टी के वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे युवाओं के लिए देश की सेवा करने का 'सुनहरा अवसर' बताया। भाजपा नेताओं ने इस साल के लिए इस योजना के तहत भर्ती की ऊपरी आयु सीमा को 21 साल से बढ़ाकर 23 साल करने के केंद्र के फैसले की भी सराहना की। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कहा कि यह दर्शाता है कि प्रधानमंत्री मोदी देश के युवाओं की चिंताओं से पूरी तरह वाकिफ हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रयास कर रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि रक्षा सेवाओं में भर्ती संबंधी 'अग्निपथ योजना' में शामिल होने की अधिकतम उम्र सीमा बढ़ाने के केंद्र के फैसले से बड़ी संख्या में युवाओं को फायदा होगा।

योगी आदित्यनाथ का आरोप, सपा की सरकार ने आजमगढ़ को आतंक का गढ़ बना दिया था

आजमगढ़ (उप्र)। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राज्य की मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि आजमगढ़ को समाजवादी पार्टी (सपा) की (पिछली) सरकार ने आतंक का गढ़ बना दिया था लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन की सरकार ने इसे विकास से जोड़ने का कार्य किया है। आजमगढ़ लोकसभा के उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार दिनेश लाल यादव निरहुआ के समर्थन में चक्रपानपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा और कहा कि आजमगढ़ को समाजवादी पार्टी की सरकार ने आतंक का गढ़ बना दिया था, बहुजन समाज पार्टी भी उससे कभी अपने आपको मुक्त नहीं कर पाई लेकिन आजमगढ़ को विकास के साथ जोड़ने का कार्य भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार ने किया है। उन्होंने सपा और बसपा पर आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश के विकास के सपा और बसपा राहु और केतु हैं, ये विकास के क्रूर ग्रह हैं, इनसे आप जितनी दूरी बनाएंगे, विकास उतना ही नजदीक आएगा।

भाजपा सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए योगी ने कहा कि आजमगढ़ में जिसे आप चुनते थे वह विकास तो नहीं करा पाये, उन्होंने आपके सामने पहचान का संकट जरूर खड़ा कर दिया और फिर जब सहारा देने की आवश्यकता थी तो फिर आजमगढ़ को मझधार में छोड़कर वह गायब हो गये। उन्होंने कहा, हम मानते थे कि अखिलेश जी विधायक बन गये हैं, तब भी आजमगढ़ को नहीं छोड़ेंगे क्योंकि आजमगढ़ ने संकट के समय में उनका साथ दिया है। यद्यपि यहां के कार्यकर्ता संशय में थे कि वह धोखा जरूर देंगे। उन्होंने आरोप लगाया, कोरोना काल में अखिलेश यादव सांसद रहते हुए भी यहां हाल चाल लेने नहीं आए लेकिन कोरोना काल में मैं यहां तीन बार आया था। गौरतलब है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मैनपुरी के करहल से जीतने के बाद आजमगढ़ संसदीय सीट से इस्तीफा दे दिया था। अखिलेश यादव के इस्तीफे से रिक्त हुई आजमगढ़ संसदीय सीट पर 23 जून को मतदान होगा। यहां सपा प्रमुख के चचेरे भाई पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव को समाजवादी पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है। इसके पहले 2014 में आजमगढ़ संसदीय सीट से सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव चुनाव जीते थे। योगी ने सपा पर धोखा देने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि सपा ने पहले एक दलित नौजवान को टिकट देने का वादा किया और फिर सैफई परिवार में टिकट चला गया। उन्होंने कहा कि बहन जी (मायावती) ने जिन्हें अपना प्रत्याशी (शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली) बनाया है, सपा उन्हें भी धोखा दे चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह (शाह आलम) सपा में गये थे लेकिन सपा ने टिकट से वंचित कर बेरोजगार कर दिया था क्योंकि सपा की प्रवृत्ति ही धोखा देने की है। वरिष्ठ भाजपा नेता ने बिना नाम लिए कहा कि आपने दो-दो पूर्व मुख्यमंत्रियों (अखिलेश यादव और मुलायम सिंह यादव) को सांसद बनाया था लेकिन उन लोगों ने आजमगढ़ के विकास में रुचि नहीं ली।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में 76 पुलिस कर्मियों की 8 टीमें गठित,8 को हथियार सहित गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पुलिस ने सूरत के सचिन जीआईडीसी इलाके में तलाशी रात का आयोजन किया था। जिसमें जांच के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया और आपराधिक मानसिकता वाले युवकों को गिरफ्तार कर उनके पास से हथियार जब्त किए गए. वहीं, वाहनों और 21 आईएसएमओ के खिलाफ एहतियाती कदम उठाए गए।

पुलिस द्वारा सचिन जीआईडीसी थाना परिसर में अलग-अलग टीमों में तलाशी रात का आयोजन किया गया । जिसमें चाकू और चप्पू जैसे हथियारों के साथ चल रहे इस्मो के साथ ही नशे की हालत में घूम रहे इस्मो के खिलाफ कार्रवाई की गई. सूरत शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्र में इस तरह की तलाशी रात शुरूकर दी गई है।

नतीजतन आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने की मानसिकता रखने वाला इस्मो भी पकड़ा जा रहा है।

सीआर पाटिल ने खोला राज्य का पहला मल्टीलेयर और सूरत का 117 वां पुल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात के पहले बहुपरत और बहु-दिशा वाले रेलवे ओवरब्रिज/फ्लाई ओवरब्रिज का उद्घाटन आज भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पटेल ने किया। वहीं सूरत के 117वें ब्रिज को खोल दिया गया है। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री दर्शनबेन जरदोश और शहरी विकास राज्य मंत्री विनोदभाई मोर्डिया सहित विधायक मौजूद थे। लंबे समय से प्रतीक्षित सूरत ब्रिज आखिरकार आज जनता के लिए खोल दिया गया। यह गुजरात का पहला ऐसा पुल है। पुल के कारण सूरत के बेहद व्यस्त रिंग रोड सहारा दरवाजा शमीयर अस्पताल के आसपास काफी ट्रैफिक लोड था। यह राष्ट्रीय राजमार्ग कनेक्टिविटी का मार्ग भी प्रशस्त करता है। पुल का निर्माण 117 में हुआ था जब इसे सुरेश चौधरी शहर के नाम से जाना जाता था। यह सूरत में बने अब तक के सबसे आकर्षक और उपयोगी पुलों में से एक होगा।

" चला आता तर एकत्र येऊया " कार्यक्रम संपन्न

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सुरत में आयोजन भजन में अलग-अलग भजन मंडली ने भाग लेकर कार्यक्रम अपने अपने भजन मंडली से कार्यक्रम संपन्न हुआ.जिस कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री गणेश सावंत के द्वारा प्रति वर्ष किया जा रहा हैं, कार्यक्रम में जनर्लिस्ट फेडरेशन सचिन-सुरत की टीम ने भी मुलाक़ात लिया जिसके प्रमुख भी आई विटनेस चेनल और नव गुजरात टाइम्स के एम.डी. भी श्री गणेश सावंत है

योग दिवस से पहले बाबा रामदेव ने अहमदाबाद में कराया योग, राज्यपाल और मुख्यमंत्री हुए शामिल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है, जो भारत समेत दुनियाभर में मनाया जाएगा। गुजरात में राज्यस्तरीय योग दिवस का अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजन किया गया है। योग दिवस से पहले आज पूर्वी अहमदाबाद के निकोल क्षेत्र में बाबा रामदेव ने योग कराया। इस योग शिबिर में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी शामिल हुए। शहर के निकोल क्षेत्र में आयोजित शिबिर में रामदेव ने लोगों को योग सिखाया। इस मौके पर रामदेव ने कहा कि कभी मंदिर, मस्जिद और अग्निपथ को लेकर देश में बवाल मचा हुआ है। संविधान में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन बगैर किसी हिंसा के। देश की संपत्ति को कोई नुकसान ना पहुंचे इसका सभी को ध्यान रखना चाहिए और इसके लिए संयम जरूरी है। संयम और धैर्य योग से आएगा। लोगों के संयमित और धैर्यवान होने से भाईचारा भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि योग करने से लोगों में चेतना आएगी। पतंजली की ओर से योग दिवस पर 3 लाख से ज्यादा गांवों में योग का आयोजन किया जाएगा। 100 वर्ष तक सभी को अपनी आयु 25 साल की रखना है। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि हमारे लिए गर्व की बात है कि 10-12 साल पहले योग का ब्युगल बजा था, जिसे बाबा रामदेव ने आज फिर ताजा किया है। अगर हम स्वस्थ होंगे तभी सांसारिक, व्यापारिक और औद्योगिक इत्यादि में काम कर सकेंगे। हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आभारी हैं कि उन्होंने योग को दुनियाभर में पहुंचाने काम किया है। नतीजतन 21 जून को योग दिवस के रूप में मनाने का दुनिया के 177 देश सहमत हुए। 21 जून को बड़ी संख्या में योग कर हम दुनिया को संदेश देंगे। गौरतलब है 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है और उससे पहले गुजरात योग बोर्ड, पतंजली योग समिति ने पूर्वी अहमदाबाद के निकोल क्षेत्र के वीरांजलि मैदान में योग शिबिर का आयोजन किया था। जिसमें गुजरात के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, अहमदाबाद के महापौर और स्थायी समिति के चेयरमैन समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

होटल में बिकते थे गांजा के तेल से बने बिस्कुट, एटीएस ने रेड कर 3 शख्सों को पकड़ा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद ,गुजरात एटीएस ने नशे एक नए तरीके के पर्दाफाश कर तीन शख्सों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए शख्स रेस्टोरेंट की आड में गांजा के तेल से बने बिस्कुट बेचते थे। एक बिस्कुट चार हजार रूए में बेचा जाता था। आरोपी गांजा के तेल भी बेचते थे, जिसकी कीमत प्रति ग्राम रु 2500 से रु 3000 है। गुजरात एटीएस ने तीनों आरोपियों को गांधीनगर एसओजी के हवाले कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक गुजरात एटीएस ने गांधीनगर की सीमा स्थित भाट टोल टेक्स के निकट चूल्हा चिकन नामक रेस्टोरेंट में छापा मारकर होटल की आड में चल रहे नशे के गोरखधंधे का पर्दाफाश किया। होटल की तलाशी में अमेजोन के बॉक्स से गांजा बरामद होने के बाद एटीएस ने जयकिशन ठाकोर, अंकित राजकुमार फुलहरी और सोनु नामक तीन शख्सों को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों से नशायुक्त 2 बिस्कुट और तीन लड्डू एटीएस ने बरामद किए हैं। पकड़े आरोपी सीबीडी और टीएचसी के तेल से बने बिस्कुट बेचते थे। इतना ही नहीं आरोपी गांजा के बीज से निकला तेल भी प्रति ग्राम रु 2500 से रु 3000 में बेचते थे।

जबकि एक गांजा के तेल से बना एक बिस्कुट रु 4000 में बेचते थे। पूछताछ में पता चला कि तीनों आरोपी पिछले एक साल से नशे का कारोबार कर रहे थे।

गुजरात एटीएस ने घटनास्थल से रु 1.59 लाख का माल समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर गांधीनगर एसओजी के हवाल कर दिया है।

आठवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 'मानवता के लिए योग' थीम के साथ मनाया जाएगा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भारतीय धर्म और दर्शन में योग का अत्यधिक महत्व है। आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग को सभी धर्मों और दर्शनों में खुले मन से स्वीकार किया गया है। योग एक शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक अभ्यास है, जो लोगों को शांति प्रदान करने के साथ उन्हे प्रकृति के साथ जोड़ता है। भारत आदिकाल से ही योग गुरु रहा है। भारत में योग की परंपरा सदियों पुरानी है। भारत हमेशा वैश्विक स्तर पर योग का प्रचार-प्रसार करता रहा है। यह प्रचार-प्रसार तब सार्थक साबित हुआ, जब हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव रखा और महासभा ने उस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए साल 2015 से प्रतिवर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। हर साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को अलग-अलग थीम पर मनाया जाता है। इस साल पूरी दुनिया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को 'मानवता के लिए योग' की थीम पर मनाएगी। साल 2015 में 'सद्भाव एवं शांति के लिए योग', साल 2016 में 'कनेक्ट द यूथ', साल 2017 में 'स्वास्थ्य के लिए योग', साल 2018 में 'शांति के लिए योग', साल 2019 में 'क्लाइमेट एक्शन', साल 2020 में 'योग एट होम-योग विथ फैमिली' और साल 2021 में 'योग फॉर वेलबिइंग' जैसी विभिन्न थीमों पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया था। जब पूरी दुनिया विशाल जनभागीदारी के साथ योग दिवस मनाने जा रही है, तब गुजरात के सवा करोड़ नागरिक भी 'योगमय गुजरात' अभियान से जुड़कर इसमें सहभागी बनेंगे। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का राज्य स्तरीय समारोह अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट इवेंट सेंटर में आयोजित होगा, जिसमें 7500 लोग हिस्सा लेंगे। राज्य के नागरिक प्रत्येक गांव, तहसील, शहर, जिला, नगर पालिका और महानगर पालिका के साथ-साथ स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, स्वास्थ्य केंद्र, पुलिस मुख्यालय, राज्य की जेलें तथा सभी सार्वजनिक स्थानों पर बड़ी तादाद में इकट्ठा होकर स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान देंगे। देश जब 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है, तब मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के सुदृढ़ मार्गदर्शन और खेल मंत्री हर्षभाई संघवी के मार्गदर्शन में साबरमती रिवरफ्रंट, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, कच्छ का सफेद रण तथा मोढेरा सूर्य मंदिर जैसे राज्य के धार्मिक, पर्यटन, ऐतिहासिक और शैक्षणिक महत्व तथा प्राकृतिक सौंदर्य वाले 75 आइकॉनिक स्थलों पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस विशेष रूप से मनाया जाएगा। गुजरात के कोने-कोने में योग का प्रचार-प्रसार करने के

लिए चलाए जा रहे 'योगमय गुजरात' अभियान को और भी सफल बनाने के लिए गुजरात राज्य योग बोर्ड की ओर से राज्य में 750 से अधिक योग कोच और 60,000 से अधिक योग ट्रेनर तैयार किए गए हैं। इसके अतिरिक्त राज्य में 5000 से अधिक योग कक्षाएं शुरूकी गई हैं। गुजरात राज्य योग बोर्ड के अध्यक्ष योग सेवक श्री शीशपाल ने राज्य के अलग-अलग जिलों का दौरा कर 300 से अधिक योग संवाद और योग शिविरों का आयोजन कर योग को लेकर जनजागरूकता पैदा करने के कार्यक्रम किए हैं। उल्लेखनीय है कि गुजरात में योग का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार हो, योग गतिविधियों को गति मिले और स्वस्थ गुजरात के जरिए स्वस्थ भारत का निर्माण हो, इसके लिए गुजरात सरकार के खेल, युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधि विभाग के अंतर्गत योग बोर्ड का गठन किया गया है। इस बोर्ड का उद्देश्य राज्य के प्रत्येक नागरिक को स्वस्थ जीवन शैली एवं निरोगी जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करना तथा लोगों में योग के प्रति जागृति पैदा करना है।

योग को समाज के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार हमेशा प्रयासरत है। इसके तहत गुजरात राज्य योग बोर्ड की ओर से राज्य के सभी जिलों में योग कोच की नियुक्ति योग कोच को प्रशिक्षण देना तथा प्रत्येक योग कोच के मातहत योग्य ट्रेनरों को तैयार करने जैसा कार्य किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की घोषणा होते ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के एजेंडे में योग के विषय को प्रमुख स्थान दिया गया। 2015 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम में और उसके बाद देश के अनेक विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में योग विषय को शामिल किया गया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए 21 जून के दिन का चयन किया गया, क्योंकि 21 जून को पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध पर सबसे लंबा दिन होता है। भारतीय मान्यता के अनुसार इस दिन ग्रीष्म संक्रांति मनाई जाती है। आम दिनों की तुलना में इस दिन सूर्य की किरणें सबसे लंबे समय तक पृथ्वी पर रहती है। योगाभ्यास में इस समय को संक्रमण काल कहा जाता है और इस समय योग करने के बहुत ज्यादा फायदा होता है। आज विश्व योगमय बन रहा है, जिसका संपूर्ण श्रेय योग की जन्मभूमि भारत को जाता है। योग को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाने में देश के आध्यात्मिक योग गुरुओं की भूमिका अहम रही है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महर्षि अरविंद और स्वामी विवेकानंद ने लोगों को आध्यात्म और योग के माध्यम से विश्व शांति का संदेश दिया था। आज दुनिया के सभी देशों की भागीदारी से यह स्पष्ट हो रहा है कि भविष्य में योग वैश्विक समरसता, शांति और सौहार्द का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

मूशलाधार बारिश के बीच चाचा-भतीजे के लिए मौत बनकर आई आसमानी बिजली

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भावनगर समेत जिले में दो दिनों से आसमान में बादलों की आवाजाही के बीच आज सुबह बारिश ने धमाकेदार एन्ट्री की। भावनगर शहर समेत जिले में मूशलाधार बारिश ने पानी पानी कर दिया। इस दौरान जिले के जागधार गांव गिरी आसमानी बिजली में चाचा-भतीजे की मौत हो गई। भावनगर शहर और जिले में गरज के साथ मूशलाधार बारिश शुरू हो गई। मूशलाधार बारिश के चलते शहर की सड़कों पर पानी भर गया। भीषण गर्मी और उमस के बीच तेज बारिश से लोग खासकर किसान खुशी से झूम उठे। भावनगर जिले की महुवा तहसील के जागधार गांव में धुआंधार बारिश हुई। बारिश के दौरान आसमानी बिजली ने दो श्रमिकों की जान ले ली। मनरेगा राहत के तहत काम करने वाले जागधार गांव निवासी मावजी भूपतभाई और उनके भतीजे की बिजली गिरने से मौत हो गई। जबकि बिजली गिरने से घायल वृद्धा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गुजरात कांग्रेस की पूर्व मंत्रियों से सरकारी आवास वापस लेने की मांग

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राज्य के पूर्व मंत्रियों को गांधीनगर में आवंटित सरकारी आवासों को लेकर गुजरात कांग्रेस सवाल उठाए हैं और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को पत्र लिखकर आवास वापस लेने की मांग की है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने आरोप लगाया कि 15 पूर्व मंत्रियों को रु 4800 के मामूली रेट पर सरकारी बंगले आवंटित किए गए हैं। इसके लिए तर्क दिया गया है कि पूर्व मंत्रियों की संतानों की पढ़ाई प्रभावित न हो इसके लिए सरकारी बंगले आवंटित किए गए हैं। जबकि सच्चाई यह है कि एक भी पूर्व मंत्री की संतान गांधीनगर में पढ़ाई नहीं कर रही। कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोशी ने मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को पत्र लिखकर राज्य सरकार के पूर्व मंत्री नितिन पटेल, भूपेन्द्रसिंह चूड़ास्मा, सौरभ पटेल, ईश्वर परमार, गणपत वसावा, जयेश रादडिया, प्रदीपसिंह जाडेजा, जयद्रथसिंह परमार, पुरुषोत्तम सोलंकी, ईश्वरसिंह पटेल, वासण आहिर, विभावरीबेन दवे, रमणलाल पाटकर, धर्मेन्द्रसिंह जाडेजा और कुंवरजी बावलिया को आवंटित सरकारी आवास तुरंत वापस लिए जाने की मांग की है।